



सब का सपना



उद्धव ठाकरे को तगड़ा झटका, लोकसभा स्पीकर ने 6 यूटीवी सांसदों का शिदे गुट में विलय स्वीकारा
नई दिल्ली एजेंसी: उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूटीवी) के लिए एक बड़े झटके के तौर पर, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने छह बागी सांसदों के महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में विलय को मान्यता दे दी है। उद्धव ठाकरे गुट से अलग हुए इन छह सांसदों ने शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में अपने विलय को मान्यता दिलाने के लिए लोकसभा सचिवालय में एक आधिकारिक आवेदन सौंपा था। स्पीकर के कार्यालय ने अब उस अनुरोध को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत लोकसभा में इन छह सांसदों को औपचारिक रूप से शिंदे गुट का सदस्य माना गया है। यह फैसला एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के लिए एक बड़ी राजनीतिक बढ़त है और उद्धव ठाकरे गुट के लिए एक और झटका है।

राम मंदिर चंदे की चोरी पर राहुल-खरगे ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, कहा- आपकी चुप्पी मंजूर नहीं

नई दिल्ली एजेंसी: अयोध्या राम मंदिर में दान की कथित चोरी को लेकर मचे विवाद के बीच, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के वित्तीय मामलों की जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि अपनी मेहनत की कमाई आस्था के साथ दान करने वाले लाखों श्रद्धालु चोरी से ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। संसद के दोनों सदनों में विपक्ष के नेताओं ने अपने पत्र में कहा कि आप श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में हजारों करोड़ रुपये की चोरी के बारे में जाते हैं। जिन लाखों श्रद्धालुओं ने आस्था, भक्ति और भरोसे के साथ अपनी मेहनत की कमाई दान की थी, वे इस चोरी से खुद को ठगा हुआ



महसूस कर रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री से कहा कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर संसद में ट्रस्ट बनाने की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्य पूरी तरह से उनकी सरकार ने ही नियुक्त किए थे। उन्होंने कहा कि आपने भारत के सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों पर संसद में ट्रस्ट बनाने की घोषणा की थी, लेकिन इसके सदस्य पूरी तरह से आपकी सरकार ने ही

लाखों श्रद्धालु अपनी मेहनत की कमाई दान करके ठगा हुआ ..
राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर अयोध्या राम मंदिर चंदे की कथित चोरी की स्वतंत्र और व्यापक जांच की मांग की है। उन्होंने 'श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट' के वित्तीय मामलों की पारदर्शिता पर सवाल उठाए और कहा कि लाखों श्रद्धालु अपनी मेहनत की कमाई दान करके ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं, इसलिए प्रधानमंत्री की चुप्पी
थे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री की चुप्पी स्वीकार्य नहीं है और उनसे जवाबदेही तय करने और भरपाई सुनिश्चित करने की मांग की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि ऐसे अपराध के मामले में आपकी चुप्पी मंजूर नहीं है। जवाबदेही तय करना और नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करना आपकी जिम्मेदारी है। हम आपसे आग्रह करते हैं कि आप ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की तुरंत एक स्वतंत्र और व्यापक जांच का

सीएम योगी का मास्टरस्ट्रोक: 2027 यूपी चुनाव से पहले लोधेश्वर कॉरिडोर की नींव, पीडीए को जवाब?

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार, 20 जुलाई को लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे। यह कदम राज्य में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले उठाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी कल उस जगह का दौरा करेंगे और बाराबंकी में कॉरिडोर की आधारशिला रखेंगे। यूपी सरकार का लक्ष्य चुनावों से पहले लोधेश्वर महादेव मंदिर कॉरिडोर का काम पूरा करके उसका उद्घाटन करना है। माना जा रहा है कि इस कॉरिडोर के जरिए बीजेपी, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव की पीडीए राजनीतिक रणनीति में संघ लगाने की कोशिश कर रही है। बाराबंकी के अलावा, उन्नाव, बांदा, जालौन, कानपुर, हमीरपुर और कालपी के



कई समुदायों के लोग भगवान महादेव (शिव) को अपना कुलदेवता मानते हैं। सावन के पवित्र महीने और महाशिवरात्रि के दौरान, लोध, गुर्जर, तोमर और पाल समुदायों के बड़ी संख्या में भक्त, कांवड़ यात्रियों के साथ लोधेश्वर महादेव मंदिर आते हैं। अयोध्या में राम मंदिर और वाराणसी में काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के बाद, यह कॉरिडोर भक्तों के लिए एक और

दिया गया। इन प्रॉपर्टीज को खाली कराने और तोड़ने के लिए मुआवजे के तौर पर लगभग 48 करोड़ रुपये दिए गए। इस कॉरिडोर में मंदिर के चारों ओर परिक्रमा का रास्ता, भव्य प्रवेश द्वार, विश्राम गृह, क्लॉक रूम और तीर्थयात्रियों के लिए शौचालय जैसी सुविधाएं होंगी। इस प्रोजेक्ट के तहत पास के अमृत सरोवर को भी सुंदर बनाया जाएगा। सरकार ने कॉरिडोर बनाने के लिए 200 करोड़ रुपये का बजट तय किया है। इस कॉरिडोर के विकास के जरिए लोधेश्वर महादेव मंदिर को धार्मिक पर्यटन के एक बड़े केंद्र के रूप में बदलने की योजना है। (योगी सरकार का दावा है कि इस प्रोजेक्ट से बाराबंकी और आस-पास के जिलों में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।)

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के कम्युनिकेशन इंचार्ज और महासचिव जयराम रमेश ने उन खबरों को खारिज कर दिया जिनमें दावा किया गया था कि संसद के मानसून सत्र से पहले रविवार को हुई सर्वदलीय बैठक में प्रस्तावित परिसीमन विधेयक का समर्थन किया गया था। उन्होंने इन खबरों को बेबुनियाद और फर्जी बताया। एक्स पर एक पोस्ट में, रमेश ने आरोप लगाया कि कुछ टीवी चैनल ऐसी खबरें दिखा रहे हैं जो साफ तौर पर प्लाटेड हैं और जिनमें कहा गया है कि बैठक के दौरान परिसीमन विधेयक का समर्थन किया गया। रमेश ने अपने पोस्ट में कहा कि कुछ टीवी चैनल साफ तौर पर प्लाटेड खबरें दिखा रहे हैं कि चल रही सर्वदलीय बैठक में परिसीमन विधेयक का समर्थन किया



गया है। यह पूरी तरह से बेबुनियाद और फर्जी खबर है। केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले आज सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इस बैठक का मकसद दोनों सदनों के सुचारू कामकाज के लिए राजनीतिक दलों का सहयोग मांगना और सरकार के विधायी एजेंडे पर चर्चा करना था। रविवार को केंद्र सरकार द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों

वाँकआउट किया। उन्होंने केंद्र सरकार के उस फैसले का विरोध किया जिसके तहत 'नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' को बैठक में बुलाया गया था। 'एक्स' पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि विश्व ने एनसीपीआई की भागीदारी पर आपत्ति जताई। उन्होंने दावा किया कि यह पार्टी उन 20 "बागी" तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसदों के लिए एक "पाकिंग प्लेस" (ठिकाना) है, जिनकी सदस्यता पर लोकसभा स्पीकर को अभी फैसला लेना है। रमेश ने लिखा कि सभी विपक्षी दलों ने कुछ मिनटों के लिए सर्वदलीय बैठक से वाँकआउट किया। यह मोदी सरकार के उस फैसले के विरोध में था जिसके तहत एनसीपीआई को बुलाया गया था।

किरण रिजजू का दावा, विपक्ष का बाहर जाना सिर्फ 'सांकेतिक' था, सरकार चाहती है संसद में सार्थक चर्चा

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रिजजू ने कहा कि 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक के दौरान विपक्ष का वाँकआउट सांकेतिक था और इसे बहिष्कार नहीं माना जाना चाहिए। यह बैठक संसद के मानसून सत्र से पहले हुई, जो 20 जुलाई से शुरू होने वाला है। रिजजू ने पत्रकारों से कहा कि इसे पूरे दिन की कार्यवाही के बहिष्कार के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए, यह सांकेतिक था। बैठक में तब बाधा आई जब विपक्ष के नेताओं ने हाल की राजनीतिक घटनाओं के विरोध में वाँकआउट किया; इन घटनाओं में 20 तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद और नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) के साथ-साथ यूटीवी शिवसेना के छह सांसद शामिल थे, जो शिवसेना में शामिल हो गए थे। उन्होंने आगे कहा कि दलों की संख्यात्मक शक्ति पर चर्चा की गई और इस बात पर जोर देते हुए कहा कि हम राजनीतिक दलों की संख्यात्मक शक्ति के आधार



पर मामलों पर चर्चा करते हैं, लेकिन हम निश्चित रूप से किसी को भी उसके अधिकारों से वंचित नहीं कर सकते। बैठक के बाद, रिजजू ने विपक्षी दलों से संसदीय कार्यवाही में बाधा न डालने का आग्रह किया और इस बात पर बल दिया कि सरकार विधेयकों पर गहन बहस चाहती है। उन्होंने जल्दबाजी में या अराजकता के बीच विधेयकों को पारित करने के आरोपों के खिलाफ चेतावनी दी। छोटी पार्टियों की चिंताओं पर बात करते हुए रिजजू ने कहा कि छोटी पार्टियों के सदस्यों ने मांग की है कि उन्हें बोलने के लिए ज्यादा समय दिया जाए। इस पर हमने कहा है कि

सीएम विजय का भ्रष्टाचार पर 'जीरो टॉलरेंस' एक्शन, तमिलनाडु में 7 जीसीसी अधिकारी सरपेंड, प्राथमिकी दर्ज

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के भ्रष्टाचार-विरोधी अभियान को तब और तेजी मिली, जब ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन (जीसीसी) के सात अधिकारियों को सरपेंड कर दिया गया और कथित भ्रष्टाचार व बिना हिसाब-किताब वाले वित्तीय लेन-देन के लिए उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। यह कार्रवाई पिछले हफ्ते चेन्नई के दो जोन में की गई अचानक जांच के बाद हुई, जिसमें अधिकारियों को कथित तौर पर बिना हिसाब-किताब वाला कैश और संदिग्ध डिजिटल लेन-देन मिले। जीसीसी अधिकारियों के अनुसार, यह जांच जोन 6 और 9 में की गई, जिसमें उत्तरी और मध्य चेन्नई के कई अहम इलाके शामिल थे। जीसीसी के एक सीनियर अधिकारी ने इंडिया टुडे को बताया कि अचानक की गई जांच के दौरान, एक असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर रु.2.39 लाख के जोड़े ट्रांजेक्शन के बारे

में कोई जानकारी नहीं दे पाए। ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन को तमिलनाडु के विजिलेंस और एंटी-कorrप्शन डायरेक्टरेट (डीवीएसी) से रिपोर्ट मिलने के बाद सरपेंशन और आपराधिक कार्रवाई शुरू की गई। अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों पर भ्रष्टाचार-रोधी कानूनों के तहत मामला दर्ज किया गया है और साथ ही विभागीय कार्रवाई भी शुरू की जा रही है। जोन 6 में कोलाथुर, अयनवरम और पेराम्बु जैसे इलाके आते हैं, जबकि जोन 9 में सेंट्रल चेन्नई के कुछ हिस्से शामिल हैं, जिनमें थाउजेंड लाइट्स, माइलापौर और गुंगमवक्कम आते हैं। यह ताजा कार्रवाई, रिव्रतखोरी, फर्जी बिलिंग और नौकरी के बदले पैसे लेने के रैकेट से जुड़े अलग-अलग आरोपों में जीसीसी के छह अन्य अधिकारियों के सरपेंड होने के कुछ ही दिनों बाद की गई है। अगर विभागीय जांच में आरोप साबित हो जाते हैं

महिला विधेयक पर द्रमुक का दक्षिणी दांव, क्या फिर हदबंदी पर फँसेगा आरक्षण?

नई दिल्ली एजेंसी: एमके स्टालिन की अगुवाई वाली द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने रविवार को केंद्र सरकार से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के अपने रोडमैप को स्पष्ट करने की मांग की। पार्टी का कहना है कि यह कोटा भविष्य में होने वाले परिसीमन (परिसीमन) से जोड़ने के बजाय निचले सदन की मौजूदा सदस्य संख्या पर आधारित होना चाहिए। यह मांग द्रमुक के राज्यसभा सांसद लिरुचि शिवा ने संसद के मानसून सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक के दौरान उठाई। संसद का यह सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि डीएमके लोकसभा में मौजूदा संख्या-बल के आधार पर महिला आरक्षण बिल के पक्ष में है, लेकिन हम परिसीमन के मुद्दे पर और स्पष्टता चाहते हैं। शिवा ने कहा कि परिसीमन की प्रक्रिया का



दक्षिणी राज्यों पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए और उन्होंने सरकार से इस बारे में और स्पष्टता की मांग की। शिवा ने कहा कि अगर इससे दक्षिणी राज्यों पर असर पड़ता है, तो इसे 25 साल के लिए टाल दिया जाना चाहिए। इससे पहले, डीएमके ने तय किया था कि पार्टी मौजूदा रूप में परिसीमन बिल का विरोध जारी रखेगी—जो आबादी पर आधारित है और महिलाओं के आरक्षण से जुड़ा है। पार्टी नए बिल का इंतजार करेगी और उसमें दी गई सिफारिशों के आधार पर अगे का फैसला लेगी।

कांग्रेस ने भी परिसीमन बिल का विरोध करने का ऐलान किया है और कहा है कि इस मुद्दे पर विपक्ष की एकता बनाए रखने की कोशिश की जाएगी। कांग्रेस, सांसदों, विधायकों, मुख्यमंत्रियों और प्रधानमंत्री के कार्यकाल को एक साथ करने से जुड़े प्रस्तावित बिल का भी विरोध करेगी। 17 अप्रैल, 2026 को संविधान (131वां संशोधन) विधेयक लोकसभा में प्लोर टेस्ट पास नहीं कर सका। इस विधेयक का मकसद संसदीय सीटों की संख्या बढ़ाना और महिलाओं के लिए

अमित शाह ने जम्मू और कश्मीर में बाढ़ का जायजा लिया, एलजी और सीएम को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से बात की और उन्हें केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। राजजी के मुरादपुर इलाके में तेजी से बढ़ते पानी के स्तर के कारण फँसे दो लोगों को इमरजेंसी रेस्पांडर ने सफलतापूर्वक बचा लिया। डिप्टी कमिश्नर अभिषेक शर्मा ने कहा कि भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में फँसने के बाद, राजजी के मुरादपुर में नदी से दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। बचाव दलों ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की। जिला

राज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से बात की और उन्हें केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिलाया। राजजी के मुरादपुर इलाके में तेजी से बढ़ते पानी के स्तर के कारण फँसे दो लोगों को इमरजेंसी रेस्पांडर ने सफलतापूर्वक बचा लिया। डिप्टी कमिश्नर अभिषेक शर्मा ने कहा कि भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ में फँसने के बाद, राजजी के मुरादपुर में नदी से दो लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। बचाव दलों ने उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तुरंत कार्रवाई की। जिला



प्रशासन ने लोगों को सलाह दी है कि वे नदियों, नालों और बाढ़ की आशंका वाले इलाकों में जाने से

जम्मू-कश्मीर में अचानक आई बाढ़ के बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ राहत कार्यों में समन्वय किया। राजजी के मुरादपुर और तवी नदी में फँसे कई लोगों को एनडीआरएफ और स्थानीय पुलिस ने सफलतापूर्वक बचाया, जिसके बाद प्रशासन ने लोगों को गैर-जरूरी

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आपातकालीन राहत कार्यों की निगरानी के लिए एक उच्च-स्तरीय समीक्षा शुरू की। पर एक पोस्ट में उन्होंने लिखा कि आज सुबह से ही मैं जम्मू के कुछ हिस्सों, खासकर राजजी शहर और आस-पास के इलाकों में बहुत ज्यादा बारिश से पैदा हुए हालात पर बारीकी से नजर रख रहा हूँ। मैं इस इलाके के स्थानीय विधायकों के संपर्क में हूँ। हालात अभी भी बदल रहे हैं, लेकिन प्रशासन की पहली प्राथमिकता कीमती जानें बचाना है।

संपादकीय

भारत पर 100 फीसदी टैरिफ!

राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ का खेल फिर शुरू कर दिया है। अमरीकी कांग्रेस (संसद) में एक बिल पेश किया गया है, जिसमें रूस से तेल खरीदने वाले पांच देशों-भारत, चीन, हंगरी, अजरबैजान, स्लोवाकिया-पर 100 फीसदी टैरिफ थोपने का प्रावधान है। संसद में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स सांसद बिल पारित करने के पक्ष में हैं, क्योंकि वे रूस की अर्थव्यवस्था को अधिक कमजोर करना चाहते हैं। बिल के मसविदे में 500 फीसदी टैरिफ का प्रस्ताव था, जिसे घटा कर 100 फीसदी किया गया है। यदि अमरीकी संसद में यह बिल पारित किया जाता है, तो भारत पर 100 फीसदी टैरिफ के अलावा, 12.5 फीसदी बाल-मजदूरी का टैरिफ और 18 फीसदी सामान्य टैरिफ, कुल मिला कर 130.5 फीसदी टैरिफ लागू हो सकता है। अमरीका ने हमारे तांबा, इस्पात, एल्युमीनियम पर 50 फीसदी टैरिफ और सेमीकंडक्टर तथा ऑटो पार्ट्स पर 25-25 फीसदी टैरिफ थोप रखा है। यदि 100 फीसदी टैरिफ लागू हो गया, तो भारत अमरीका को जो सालाना 6.5 लाख करोड़ रुपए का निर्यात करता है, वह प्रभावित होगा। रूस से कच्चा तेल खरीद कर भारत सालाना 60,000 करोड़ रुपए की बचत करता है, लेकिन टैरिफ लागू होने से 10 गुना अधिक निर्यात पर पलीता लग सकता है। भारत के 2.1 लाख करोड़ रुपए के फार्मा, वस्त्र, हीरे के निर्यात पर भी असर पड़ेगा। आखिर अमरीका के साथ 'माई डियर फ्रेंड' वाली दोस्ती और रणनीतिक साझेदारी का सच यही है कि हम टैरिफ की मार लगातार झेलते रहें? राष्ट्रपति ट्रंप के आदेशानुसार ही तेल, गैस के आयात करें? यदि वह रूसी तेल की खरीद के लिए छूट दे, तो बल्लियां उछलते रहें और रूस से खुल कर खरीददारी करें? ट्रंप होते कौन हैं, क्या दुनिया भर के 'चौधरी' हैं, ठकेदार हैं, जो भारत जैसे संप्रभु देश और दुनिया के सबसे बड़े बाजार को हांकेते रहते हैं? हमारी सरकार और नेतृत्व गुमसुम क्यों रहते हैं? ब्राजील जैसे छोटे देश के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा अमरीका को टका-सा जवाब दे सकते हैं, लेकिन दुनिया की सबसे अधिक आबादी का देश-भारत-अमरीकी राष्ट्रपति के फरमान सुनने और पालन करने को विवश है?

चिंतन-मनन

कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है जीव

ईश्वर क्षेत्रज्ञ या चेतन है, जैसा कि जीव भी है, लेकिन जीव केवल अपने शरीर के प्रति सचेत रहता है, जबकि भगवान समस्त शीरों के प्रति सचेत रहते हैं। चूँकि वे प्रत्येक जीव के हृदय में वास करने वाले हैं, अतएव वे जीवविशेष की मानसिक गतिशीलता से परिचित रहते हैं। परमात्मा प्रत्येक जीव के हृदय में ईश्वर या नियंता के रूप में वास कर रहे हैं और जैसा जीव चाहता है वैसा करने के लिए जीव को निर्देशित करते रहते हैं। जीव भूल जाता है कि उसे क्या करना है। पहले तो वह किसी एक विधि से कर्म करने का संकल्प करता है, लेकिन फिर वह अपने ही कर्म के पाप-पुण्य में फंस जाता है। वह एक शरीर को त्याग कर दूसरा शरीर ग्रहण करता है। चूँकि इस प्रकार वह आत्मा देहांतरण कर जाता है, अत उसे अपने विगत (पूर्वकृत) कर्मों का फल भोगना पड़ता है। ये कार्यकलाप तभी बदल सकते हैं जब जीव सतोगुण में स्थित हो और यह समझे कि उसे कौन से कर्म करने चाहिए। यदि वह ऐसा करता है तो उसके विगत कर्मों के सारे फल बदल जाते हैं। इसीलिए हमने यह कहा है कि पांच तत्वों- ईश्वर, जीव, प्रकृति, काल तथा कर्म में से चार शात हैं, कर्म शात नहीं है। परम चेतन ईश्वर जीव से इस मामले में समान हैं- भगवान तथा जीव दोनों की चेतनाएँ दिव्य हैं। यह चेतना पदार्थ के संयोग से उत्पन्न नहीं होती है। ऐसा सोचना भ्रांतिमूलक है। किंतु भगवान की चेतना भौतिकता से प्रभावित नहीं होती है। भगवान कहते हैं- जब वे इस भौतिक वि में अवतरित होते हैं तो उनकी चेतना पर भौतिक प्रभाव नहीं पड़ता। यदि वे इस तरह प्रभावित होते तो दिव्य विषयों के संबंध में उस तरह बोलने के अधिकारी न होते जैसा कि वे भगवद्गीता में बोलते हैं। भौतिक कल्मष-ग्रस्त चेतना से मुक्त हुए बिना कोई दिव्य-जगत के विषय में कुछ नहीं कह सकता। अतः भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित (दूषित) नहीं हैं। भगवद्गीता के अनुसार भगवान भौतिक दृष्टि से कलुषित नहीं हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जिंदगी और कूटनीति: शतरंज सिर्फ खेल नहीं, जीने का सलीका है



दिलीप कुमार पाठक

जब खेल खत्म होता है, तो राजा और प्यादा दोनों एक ही डिब्बे में बंद कर दिए जाते हैं। शतरंज की बिसात का यह सबसे सीधा नियम, असल में हमारी जिंदगी का भी सबसे बड़ा कड़वा सच है। आज दुनिया अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस मना रही है लेकिन यकीन मानिए, यह महज किसी एक खेल का जश्न नहीं है। यह तो इंसानी दिमाग के उस अनोखे जादू का सम्मान है, जो लकड़ी के चंद टुकड़ों और 64 खानों के भीतर पूरी कायनात के फैसले तय कर देता है। आज के इस दौर में, जब मोबाइल की रील्स और शॉर्ट्स ने हमारी गहराई से सोचने की आदत को लगभग खत्म कर दिया है, शतरंज की अहमियत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। एक मजे की बात देखिए, जिस खेल को आज पूरी दुनिया कूटनीति और दिमाग की सबसे बड़ी कसौटी मानी है, उसकी असली जड़ें हमारे अपने हिंदुस्तान में हैं। सदियों पहले

हमारे पुरुष इसे चतुरंग कहते थे। भारत की मिट्टी से निकला यह खेल दुनिया भर का चक्कर लगाकर आज वापस अपने घर में एक नए अवतार में लौट आया है। आज जब हम इस खेल को देखते हैं, तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। भारतीय शतरंज इस समय अपने स्वर्णिम दौर में है। विश्वनाथन आनंद ने जिस सिलसिले को शुरू किया था, उसे आज डी. गुकेश, आर. प्रज्ञानंद और अर्जुन एरिगैसी जैसे युवाओं ने दुनिया के नक्शे पर चमका दिया है। इन लड़कों ने दुनिया के बड़े-बड़े धुरंधरों को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया है और यह साबित किया है कि भारत सिर्फ शतरंज की शुरूआत करने वाला देश नहीं है, बल्कि इसका बाँस भी है। पर क्या शतरंज को सिर्फ एक खेल के चश्मे से देखना सही होगा? बिल्कुल नहीं। अगर आप इसे थोड़ा ठहरकर समझेंगे, तो यह लाइफ मैनेजमेंट की सबसे बेहतरीन गाइड बुक है। यह खेल हमें सिखाता है कि आज जो भी कदम उठाते हैं, उसकी एक कीमत चुकानी पड़ती है। बिना सोचे-समझे चली गई एक भी लापरवाही भरी चाल आपको बर्बादी की तरफ ले जा सकती है। यही बात हमारी रोजमर्रा की जिंदगी पर भी फिट बैठती है।

आज की हमारी नई पीढ़ी, जो हर चीज में तुरंत नतीजा चाहती है और बहुत जल्दी धैर्य खो देती है, उसके लिए शतरंज से बड़ा कोई गुरु नहीं हो सकता। यह खेल हमें ठंडे दिमाग से सोचना सिखाता है और यह भी बताता है कि कभी-कभी किसी बड़ी कामयाबी को पाने के

लिए अपने छोटे-छोटे स्वार्थों या प्यादों की कुबानी भी देनी पड़ती है। सिर्फ जिंदगी ही क्यों, आज की ग्लोबल पॉलिटिक्स और अखबारों के पहले पन्ने की खबरों को समझने के लिए भी शतरंज की बिसात सबसे बढ़िया जरिया है। दुनिया के ताकतवर देशों के बीच जो इस वक्त खींचतान चल रही है, वो और कुछ नहीं बल्कि शह और मात का ही खेल है। वहां भी कमजोरों को मोहरा बनाकर आगे कर दिया जाता है और असली खिलाड़ी पीछे बैठकर रिमोट कंट्रोल चलाते हैं। जो नेता या देश दूर की चाल नहीं भांप पाता, वो इतिहास के पन्नों में हमेशा के लिए मात खा जाता है।

वैश्विक राजनीति की इस बिसात पर आज कोई भी देश पूरी तरह आजाद नहीं है। भारत भी इस समय एक ऐसी मुश्किल स्थिति में है, जहाँ उसे अपनी जरूरतों के लिए रूस से दोस्ती भी निभानी है और व्यापार के लिए अमेरिका के साथ भी तालमेल बिठाना है। दुनिया में जब भी कोई नया तनाव या युद्ध शुरू होता है, तो किसी एक बड़ी ताकत के पीछे आंख मूंदकर चलने के बजाय, अपने देश के फायदे को ध्यान में रखकर कदम उठाना ही असली कूटनीति है। तनाव के इस दौर के बीच, आज कंप्यूटर और एआई खेल के मैदान पर इसांनों से कहीं ज्यादा तेजी से चालें सोच लेते हैं।



लेकिन इसके बावजूद शतरंज का असली मानवीय रोमांच कभी कम नहीं हो सकता। कोई भी सॉफ्टवेयर उस इंसानी दिमाग की जगह नहीं ले सकता, जो हार के डर और भारी दबाव के बीच भी अपनी सूझबूझ से हारी हुई बाजी पलट देता है। इस अंतर्राष्ट्रीय शतरंज दिवस पर हमें अपनी नई पीढ़ी को इस खेल से जोड़ने की जरूरत है, ताकि बच्चे मोबाइल स्क्रीन की दुनिया से बाहर निकलकर असल जिंदगी की उलझनों को धैर्य से सुलझाना सीखें। आखिर जिंदगी भी तो चैंसउत खानों का एक खूबसूरत खेल है, जहाँ हमारा हर एक फैसला आगे का रास्ता तय करता है। (लेखक पत्रकार हैं)

विदेशी बाजारों में खारिज होते भारतीय उत्पाद!

लगभग 70 खेप भी लौटा चुका है। दूसरी ओर जापान ने भारतीय आमों के आयात पर रोक लगा दी क्योंकि निरीक्षण के दौरान प्यूमिगेशन प्रणाली में गंभीर कमियां मिलीं। इतना ही नहीं हांगकांग ने लोकप्रिय भारतीय मसालों में पॉथलीन ऑक्साइड की मौजूदगी पर सवाल उठाए, जिसके बाद सिंगापुर सहित कई देशों ने भारतीय मसालों पर प्रतिबंध, रिकॉल अथवा जांच की प्रक्रिया शुरू कर दी। ये घटनाएं अलग-अलग नहीं बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति की संकेत हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि भारत की वैश्विक पहचान गुणवत्ता से नहीं, गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों से बनने लगी है। दुनिया के सबसे बड़े कृषि उत्पादक देशों में शामिल होने के बावजूद वैश्विक कृषि व्यापार में भारत की हिस्सेदारी आज भी तीन प्रतिशत से कम है। वर्ष 2024-25 में कृषि निर्यात लगभग 51 अरब डॉलर तक जरूर पहुंचा, फिर भी हमारी क्षमता और संसाधनों की तुलना में यह बेहद सीमित है। ऐसे समय में, जब भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का प्रमुख केंद्र बनने का दावा कर रहा है, गुणवत्ता संबंधी ऐसी घटनाएं हमारे प्रयासों को ही कमजोर कर रही हैं। जापान का फेसला विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वह दुनिया के सबसे सख्त और भरोसेमंद आयातक देशों में गिना जाता है। वर्ष 1986 में भी फ्रूट-प्लाई की आशंका के कारण उसने भारतीय आमों पर प्रतिबंध लगाया था। लगभग बीस वर्षों की मेहनत, बेहतर क्वांरंटीन व्यवस्था और अंतरराष्ट्रीय मानकों के पालन के बाद 2006 में भारतीय आमों को फिर जापानी बाजार मिला। इस वर्ष निरीक्षण में दोबारा खामियां मिलने के बाद वही बाजार भारत के लिए बंद

हो गया। यह केवल एक व्यापारिक निर्णय नहीं, हमारी गुणवत्ता निबंधन प्रणाली पर अविश्वास का संकेत है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में सबसे मूल्यवान चीज उत्पाद नहीं, भरोसा होता है। एक बार यदि कोई देश भारतीय उत्पादों पर संदेह करने लगे, तो उसका असर दूसरे बाजारों पर भी पड़ता है। जापान द्वारा गुणवत्ता पर सवाल उठाने के बाद यूरोपीय संघ, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देश भी भारतीय कृषि उत्पादों की जांच और कड़ों कर देते हैं। परिणामस्वरूप हमारे प्रतिस्पर्धी देश पाकिस्तान, वियतनाम, थाईलैंड और ताइवान उन बाजारों में तेजी से अपनी जगह बना लेते हैं। वैश्विक व्यापार में खोया हुआ बाजार वापस पाना वर्षों की मेहनत मांगता है। इसका सबसे बड़ा नुकसान किसानों को उठाना पड़ता है। महाराष्ट्र के अलफांसी उत्पादक हों या गुजरात के केसर आम उगाने वाले किसान, वे पहले ही मौसम की मार झेल रहे हैं। ऐसे समय में निर्यात रुकने से प्रीमियम गुणवत्ता वाले उत्पाद घरेलू बाजार में औने-पौने दाम पर बिकते हैं और किसानों की आय पर सीधा प्रहार होता है। विर्दंबना यह है कि दुनिया का सबसे बड़ा आम उत्पादक देश होने के बावजूद भारत अपनी कुल आम उपज का लगभग एक प्रतिशत ही निर्यात कर पाता है। समस्या उत्पादन की नहीं, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप परीक्षण, प्रसंस्करण, कोल्ड-चेन और गुणवत्ता नियंत्रण की है। चिंता केवल कृषि उत्पादों तक सीमित नहीं है। नीति आयोग के हालिया आंकड़े बताते हैं कि जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में भारत का कुल व्यापार बढ़ा जरूर, जबकि वस्तुओं का निर्यात घटा और आयात

उससे कहीं अधिक तेजी से बढ़ा। व्यापार घाटे को सेवा क्षेत्र ने संभाल लिया। यदि विनिर्मित और कृषि उत्पाद भी वैश्विक बाजार में भरोसा खोने लगेंगे, तो तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य और कठिन हो जाएगा। सवाल यह है कि जिन खामियों का पता विदेशी प्रयोगशालाएं लगा रही हैं, वे भारत से उत्पाद भेजने से पहले हमारी जांच प्रणाली को क्यों नहीं दिखाई देती? यदि विदेशी एजेंसियां ही हमारे कठिन को गुणवत्ता का प्रमाणपत्र देगी, तो मेड इन इंडिया की विश्वसनीयता कभी मजबूत नहीं हो सकेगी। सरकार ने जांच के निर्देश दिए, स्पाइस बोर्ड ने मानक कड़े किए और कुछ राज्यों ने कार्रवाई भी की। यह समस्या छिटपुट कदमों से हल नहीं होगी। खेत से लेकर प्रयोगशाला, प्रसंस्करण केंद्र, पैकेजिंग और निर्यात तक पूरी व्यवस्था की ज़िरो एरर की संस्कृति अपनानी होगी। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का सपना देख रहा है। यह सपना केवल उत्पादन बढ़ाने से पूरा नहीं होगा। वैश्विक बाजार समता माल नहीं, भरोसेमंद माल खरीदता है। अब समस्या आ गया है कि गुणवत्ता को औपचारिकता नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए। दुनिया में सबसे महंगा बिकने वाला उत्पाद मसाला, आम या चावल नहीं, विश्वसनीयता होती है। यदि हम उसे खो देंगे, तो विदेशी बाजार ही नहीं, भारत की आर्थिक महत्वाकांक्षाएं भी धीरे-धीरे हमारे हाथों से फिक्सलती चली जाएंगी। (स्वतंत्र लेखिका एवं शोधार्थी) (यह लेखिका विवेकानंद विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संसद का मानसून सत्र : लोकतंत्र का महायुद्ध या राष्ट्रीय सहमति का महापर्व ?



निर्णय संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार संबंधित अध्यक्ष अथवा सभापति ही करते हैं इस बार मानसून सत्र का महत्त्व इसलिए भी अधिक है क्योंकि सरकार अनेक महत्त्वपूर्ण विधेयकों को संसद में प्रस्तुत करने अथवा पारित करने की तैयारी में है।संसद की उपरन्ध्र कार्यसूची और सरकारी संकेतों के अनुसार आव्यकर(संशोधन) विधेयक,सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम विकास(संशोधन) विधेयक, जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक,सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने संबंधी विधेयक, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण (संशोधन)विधेयक तथा विदेशी अंशदान (विनियम)अर्धनियम में संशोधन जैसे विषय सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल हैं। हालाँकि संसद की कार्यसूची गतिशील होती है और कार्यमंत्रण समिति अथवा सरकार के निर्णय के अनुसार इसमें परिवर्तन,नए विधेयकों का समावेश अथवा प्राथमिकताओं का पुनर्निर्धारण भी संभव है।सरकार का दावा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य प्रशासनिक सुधार,न्यायिक दक्षता,कर व्यवस्था का सरलीकरण,निवेश को प्रोत्साहन, सुशासन तथा पारदर्शिता को और अधिक सुदृढ़ करना है।सरकार का यह भी कहना है कि विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने के लिए विधायी सुधारों की गति बनाए रखना समय की आवश्यकता है।वही कारण है कि मानसून सत्र को सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के सबसे महत्त्वपूर्ण विधायी सत्रों में से एक मान रही है।दूसरी ओर राजनीतिक विमर्श का सबसे संवेदनशील विषय संविधान संशोधन,परिसीमन तथा महिला आरक्षण का प्रभाव क्रियान्वयन बना हुआ है। नारी शक्ति वंदन अर्धनियम संसद से पारित हो चुका है,किन्तु उसका वास्तविक क्रियान्वयन नई जनगणना और परिसीमन की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद ही संभव है।विपक्ष का आरोप है कि महिला आरक्षण को तत्काल लागू करने के बजाय भविष्य की प्रक्रिया से जोड़ दिया गया है। सरकार का कहना है कि संविधान के वर्तमान प्रावधानों के अंतर्गत परिसीमन के बिना आरक्षण लागू करना संभव नहीं है।स्पष्ट है कि वह विषय राजनीतिक बहस के साथ-साथ संवैधानिक व्याख्या

लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद केवल बहुमत का मंच नहीं होती। संविधान के अनुच्छेद107 से 111 तक विधेयकों की संसदीय प्रक्रिया का उल्लेख है,जबकि अनुच्छेद 368 संविधान संशोधन की विशेष प्रक्रिया निर्धारित करता है।इसी प्रकार दसवीं अनुसूची दल-बदल विरोधी कानून का आधार है।इन प्रावधानों का मूल उद्देश्य लोकतांत्रिक स्थिरता,जानदेश की रक्षा और संसदीय मयादाओं को सुरक्षित रखना है।व्दि राजनीतिक विवादों का समाधान इन्हीं संवैधानिक व्यवस्थाओं के माध्यम से होता है तो लोकतंत्र मजबूत होता है; किन्तु यदि संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास बढ़ता है,तो उसका प्रभाव लोकतांत्रिक व्यवस्था पर दूरगामी होता है।व्द भी स्मरण रखना होगा कि संसद का दायित्व केवल विधेयक पारित करना नहीं है।संसद सरकार से प्रश्न पूछती है,नीतियों की समीक्षा करती है,सार्वजनिक धन के उपयोग पर निगरानी रखती है तथा जनता की आकांक्षाओं को राष्ट्रीय नीति में स्थान देती है।इसलिए संसद का प्रत्येक दिन और प्रत्येक घंटा राष्ट्र की अमूल्य लोकतांत्रिक पूँजी है। यदि पूरा सत्र केवल हंगामे, नारेबाजी और स्थान की भेट चढ़ जाता है,तो सबसे बड़ा नुकसान जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता को होता है।

आज भारत महँगाई,रोजगार, वैश्विक आर्थिक अनिश्चताओं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता,जलवायु परिवर्तन,कृषि सुधार,राष्ट्रीय सुरक्षा,साइबर सुरक्षा,शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सामाजिक समरसता जैसी अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। इन विषयों पर गंभीर संसदीय विमर्श की अपेक्षा केवल विपक्ष या सरकार को नहीं,बल्कि पूरे राष्ट्र की है। जनता चाहती है कि संसद राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का मंच अवश्य बने,किन्तु राष्ट्रीय समाधान का केन्द्र भी बनी रहे। 20 जुलाई से प्रारम्भ हुआ यह मानसून सत्र केवल सरकार के विधायी एजेंडे अथवा विपक्ष के राजनीतिक प्रतिक्रय तक सीमित नहीं है। यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता,संसदीय परम्पराओं और संवैधानिक मूल्यों की भी परीक्षा है।सरकार के सामने चुनौती है कि वह अपने बहुमत का उपयोग संवाद, सहमति और संवेधानिक मयादाओं के साथ करे,जबकि विपक्ष की जिम्मेदारी है कि वह तथ्य,तर्क और जनहित के आधार पर अपनी भूमिका निभाए।लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति बहुमत नहीं,बल्कि संविधान के प्रति सामूहिक आस्था है।अतः संसद किसी एक दल,गठबंधन या सरकार की नहीं,बल्कि भारत की जनता की सर्वोच्च लोकतांत्रिक संस्था है। मतभेद लोकतंत्र का स्वाभाविक गुण हैं;परन्तु संवाद उसका प्राण है।व्दि यह मानसून सत्र राजनीतिक संघर्ष के बीच भी राष्ट्रीय सहमति का मार्ग प्रशस्त करता है,तो यह भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता का नया अध्याय सिद्ध होगा।व्दि संवाद की जगह केवल टकराव ले लेता है,तो इतिहास इसे एक खोए हुए अवसर के रूप में भी दर्ज करेगा। लोकतंत्र की वास्तविक विजय सत्ता की नहीं,बल्कि संसद की गरिमा,संविधान की प्रतिष्ठा और जनविश्वास की विजय होती है।

मंडी धनौरा में तेज रफ्तार कार ने वाहनों को मारी टक्कर,चालकों में तीखी नोकझोंक

धनौरा अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा में एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पर खड़ी दो गाड़ियों को जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ और एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि हादसे के दौरान आगे चल रही गाड़ियों के चालकों ने समझदारी दिखाते हुए अपने वाहनों के तुरंत ब्रेक लगाए जिससे वाहन आगे खड़े बाइक सवारों से टकराने से बच गए वरना इस हादसे कई लोग घायल हो सकते थे। बता दें कि पूरा मामला थाना क्षेत्र के शेरपुर चुंगी चौराहे का है जहां पर रविवार की दोपहर का है जहां चांदपुर से गजरौला की ओर जा रही एक तेज रफ्तार करने वाहन चलाते हुए आगे खड़े दो गाड़ियों को



जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों वाहनों का अगला और पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के तुरंत बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई। शेरपुर चुंगी चौराहा शहर का मुख्य और व्यस्ततम चौराहा होने के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लगने

से पहले ही यातायात पुलिस ने मोर्चा संभाल लिया हादसे के बाद तीनों क्षतिग्रस्त वाहनों के चालक सड़क पर उतर आए और आपस में भिड़ गए। गाड़ियों को हट्ट नुकसान के मुआवजे को लेकर उनके बीच तोखी बहस शुरू हो गई प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यदि आगे वाले चालकों ने

समय पर ब्रेक न लगाए होते, तो आगे खड़ी मोटरसाइकिलें भी इसकी चपेट में आ सकती थीं, जिससे कई लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते मीके पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने तुरंत स्थिति को संभाला। चौराहे पर लगे जाम को खुलवाने के लिए पुलिस ने तीनों क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क के किनारे हटवाया। ट्रैफिक सिपाही ने तीनों पक्षों को शांत कराने और उनके बीच समझौता कराने का प्रयास किया, लेकिन वाहन चालक नुकसान की भरपाई की मांग पर अड़े रहे समाचार लिखे जाने तक तीनों वाहन चालक सड़क किनारे खड़े होकर बहस कर रहे थे। इस मामले में कोई कानूनी शिकायत या लिखित समझौता नहीं हो सका था।

मत्स्य पालन और मोती संवर्धन से कमाई का सुनहरा मौका, अमरोहा में 5 सरकारी योजनाओं के लिए 31 जुलाई तक करें ऑनलाइन आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के मत्स्य पालकों और मछली पालन क्षेत्र में उद्यम करने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मत्स्य विभाग ने राज्य सेक्टर द्वारा संचालित पांच प्रमुख योजनाओं के तहत ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए हैं। इन योजनाओं में 'मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना' और उत्तर प्रदेश में मोती संवर्धन जैसी महत्वाकांक्षी परियोजनाएं शामिल हैं। अमरोहा की सहायक निदेशक (मत्स्य) नीतू सिंह द्वारा जारी विज्ञापन के अनुसार इच्छुक लाभार्थी 16 जुलाई से 31 जुलाई 2026 तक विभागीय पोर्टल (<http://fisheries.up.gov.in>) पर जाकर अपना आवेदन कर सकते हैं।

पांच प्रमुख योजनाओं पर फोकस

मत्स्य विभाग की ओर से जिन पांच योजनाओं के लिए आवेदन मांगे गए हैं, उनमें मुख्यमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना मुख्य रूप से शामिल है। इसके अलावा सघन मत्स्य पालन के लिए एंशरन सिस्टम की स्थापना, उत्तर प्रदेश मत्स्य कल्याण कोष के अंतर्गत मोपेड विद आईस बॉक्स परियोजना, प्रदेश में मोती संवर्धन



योजना और विशिष्ट प्रजाति की मत्स्य हैचरी स्थापना योजना को भी शामिल किया गया है। इन सभी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए लाभार्थियों को योजनावार अलग-अलग (पृथक-पृथक) आवेदन करना होगा।

पुराने आवेदकों को मिला दूसरा मौका

योजनाओं को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने के लिए विभाग ने यह स्पष्ट किया है कि जिन आवेदकों के फॉर्म पिछले वर्षों में

निरस्त हो गए थे या जो प्रतीक्षा सूची में रह गए थे, वे भी इस बार पुनः आवेदन कर सकते हैं। योजना के अंतर्गत परियोजना का विवरण, इकाई लागत, आवेदन करने की पूरी प्रक्रिया और आवेदन के साथ लगाए जाने वाले जरूरी अभिलेखों की विस्तृत जानकारी विभागीय वेबसाइट <http://fisheries.up.sdc.gov.in> पर उपलब्ध करा दी गई है। विभाग द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि भविष्य में योजनाओं के प्रावधानों में कोई संशोधन होता है, तो संशोधित

नियम ही लागू होंगे।

कार्यालय से भी ले सकते हैं सहायता

ऑनलाइन प्रक्रिया के अलावा, यदि किसी आवेदक को योजनाओं के बारे में विस्तार से समझना है या कोई तकनीकी समस्या आ रही है, तो वह सीधे विभागीय कार्यालय से भी संपर्क कर सकता है। अमरोहा के मोहल्ला मोतीनगर स्थित मत्स्य विभाग के जनपदीय कार्यालय में किसी भी कार्य महिला पर गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद मौके

धनौरा में भाकियू (टिकैत) की मासिक बैठक का आयोजन

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा स्थित विद्युत उपकेंद्र परिसर में रविवार को भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट की मासिक बैठक का आयोजन कराया गया। किसानों की इस बैठक का आयोजन चौधरी अतर सिंह की अध्यक्षता में हुआ और संचालन रामवीर सिंह ने किया। बैठक में किसानों की स्थानीय और राष्ट्रीय समस्याओं पर गहन विचार विमर्श किया गया और सरकार व प्रशासन के समक्ष प्रमुख मांगें रखी गईं बता दें कि बैठक में आगामी 21 जुलाई को संयुक्त किसान मोर्चा के तत्वावधान में जिला मुख्यालय अमरोहा कलेक्ट्रेट पर होने वाले विशाल धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए विशेष रणनीति तैयार की गई। भाकियू के मंडल उपाध्यक्ष चौधरी झुंटे सिंह ने क्षेत्र के किसानों



से अधिक से अधिक संख्या में ट्रैक्टर-ट्रॉलियों के साथ अमरोहा रेली में पहुँचने की अपील की। रामवीर सिंह ने भी सभी कार्यकर्ताओं से इस महापंचायत में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। पंचायत में हरिद्वार के लिए प्रस्तावित गंगा एक्सप्रेस-वे का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। वक्ताओं ने मांग की कि इस मार्ग के निर्माण के लिए जिन किसानों की भूमि का अधिग्रहण किया जा रहा

है, उन्हें उचित मुआवजा मिलना चाहिए। संगठन ने अधिग्रहित होने वाली भूमि का सर्किल रेट तत्काल 40 प्रतिशत बढ़ाने की भी मांग की। विवेक शुगर मिल धनौरा से माँग की गई कि वर्ष 2025-26 का किसानों का संपूर्ण बकाया गन्ना भुगतान जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए। भारत सरकार से 60 वर्ष की आयु पार कर चुके किसानों को 5,000 रुपये प्रति माह पेंशन देने की

माँग की गई। इसके साथ ही, आयुष्मान योजना का लाभ देने के लिए आयु सीमा को 70 वर्ष से घटाकर 60 वर्ष करने की भी अपील की गई। वन विभाग से क्षेत्र में तेंदुए के आतंक पर तत्काल कार्रवाई की माँग की गई। किसानों ने कहा कि तेंदुए के डर से वे भयभीत हैं, इसलिए वन विभाग तुरंत पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़े। इस दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक कुमार, झुंटे सिंह, रामवीर सिंह, संजय सिंह, जोगेंद्र सिंह, राम सिंह, राजेंद्र शर्मा, रनवीर सिंह, सचिन त्यागी, सतीश त्यागी, मुनीदेव त्यागी, उपकाश त्यागी, नरेश कौराला, नख्यू प्रधान, राजवीर सिंह, खुशनुमा, नूरजहाँ, हुस्न बानो, सुनीता त्यागी, रोमा कौशिक और भारत सहित कई अन्य कार्यकर्ता व किसान उपस्थित रहे।

ढ्वारसी बस स्टैंड पर बेकाबू ट्रैक्टर की चपेट में आकर युवक की दर्दनाक मौत



ढ्वारसी/अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को एक दर्दनाक हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक महिला गंभीर रूप से झुलस गई। बेकाबू ट्रैक्टर ने पहले युवक को कुचल दिया और फिर पास में लगे जलेबी के ठेले से जा टकराया। ठेले पर रखा खौलता तेल महिला पर गिरने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घटना के बाद मौके

पर अफरा-तफरी मच गई। मिली जानकारी के अनुसार आदमपुर थाना क्षेत्र के गांव रूपानागल निवासी एक किसान ट्रैक्टर-ट्राली से घरेलू सामान खरीदने के लिए ढ्वारसी बस स्टैंड आया था। किसान किराना दुकान पर सामान लेने में व्यस्त था। खरीददारी करने के बाद उसने जैसे ही ट्रैक्टर स्टार्ट किया तो वह पहले से ही गियर में होने के कारण अचानक तेज



रफ्तार से आगे बढ़ गया। अनियंत्रित ट्रैक्टर ने हसनपुर निवासी अंकित पुत्र चंद्रपाल को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद ट्रैक्टर पास में खड़े जलेबी के ठेले से टकरा गया। टक्कर लगने से कड़ाही में खोल रहा गर्म तेल नीचे गिर गया, जिसकी चपेट में गारवपुर निवासी मीना आ गई। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को निजी

अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने अंकित को मृत घोषित कर दिया, जबकि मीना का उपचार जारी है। मृतक अंकित तीन भाइयों में सबसे छोटा था। वह आम के बागों में मजदूरी करता था। सूचना मिलते ही आदमपुर थाना प्रभारी कोमल तोमर पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरोहा को दी 207 करोड़ रुपये की 43 विकास परियोजनाओं की सौगात



अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, गजरौला, अमरोहा में जनपद की धनौरा एवं अमरोहा विधानसभा क्षेत्रों के लिए 207 करोड़ रुपये की लागत से 43 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विकास एवं जनकल्याण योजनाओं के स्टॉलों का अवलोकन किया तथा बच्चों को अन्नप्राशन कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिह्न एवं मंडलायुक्त मुद्रादावाद आञ्जयेय कुमार सिंह एवं जिलाधिकारी डॉ. नितिन गोड़ ने मुख्यमंत्री को अमरोहा के एक जिला एक उत्पाद के अंतर्गत चयनित ढोलक भेंट कर सम्मानित किया।

नौनिहालों को दुलार, मातृशक्ति का सम्मान

जनसभा को संबोधित करने से पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम स्थल पर विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई विकास प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने कृषि, शिक्षा, एनआरएलएम, वन, उद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग और पशुपालन विभाग के स्टॉलों पर जाकर एफपीओ, प्राकृतिक जैविक उत्पादों व ओडीओपी के तहत सजे अमरोहा के ढोलक की सराहना की। इस दौरान मुख्यमंत्री की संवेदनशीलता और वात्सल्य का एक



अनूठा रूप बाल एवं पुष्टार विभाग के स्टॉल पर देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने यहाँ एक गंधर्वती महिला को पोषण की टोकरी भेंट कर उसकी गोद भराई की रस्म पूरी की और मातृशक्ति के प्रति अपना गहरा सम्मान प्रकट किया। इसके साथ ही, उन्होंने अपनी गोद में कान्हा के स्वरूप में सजे एक छोटे बच्चे को बेहद स्नेह से दुलारते हुए उसे अपने हाथों से खीर खिलाकर उसका अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न किया।

लाभार्थियों को वितरित किए प्रमाण-पत्र एवं ऋण स्वीकृति पत्र

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र, स्वीकृति पत्र एवं ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के 10 लाभार्थियों को मंच पर सम्मानित किया। कांकाठेर की



संगीता को मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्के आवास की चाबी, जब्दा की कंचन को सीएम युवा उद्यमी योजना में ट्रैक्टर-ट्रॉली के लिए ऋण, तथा जाजरू की बेबी को 144 स्वयं सहायता समूहों के लिए 2.16 करोड़ रुपये का चेक प्रदान किया गया। बस्तापुर के रिकू चिकारा को दुग्ध उत्पादन और चौकनी के दीपक कुमार को मधुमक्खी पालन के लिए 10-10 लाख रुपये के ऋण प्रमाण पत्र दिए गए। माकनपुर शुमाली के सत्यम गोला को प्रिंटिंग मशीन के लिए 10 लाख, नरैना कला के सचिन चौधरी को रेस्टोरेंट के लिए 5 लाख रुपये का ऋण, करनपुर माफी के राजपाल सिंह को मिनी नंदिनी कृषक समूहिय योजना में 11.80 लाख रुपये का अनुदान, गढ़ी की जीविका अग्रवाल को मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के तहत लैपटॉप तथा प्रगतिशील किसान उत्पादक संगठन के डायरेक्टर प्रेम सिंह आर्य को किसान ड्रोन के लिए

4.75 लाख रुपये का अनुदान प्रमाण पत्र सौंपा गया।

अमरोहा की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक पहचान का किया उल्लेख

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमरोहा की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को नमन किया। उन्होंने कहा कि तिगरी धाम और वासुदेव तीर्थ को इस पावन भूमि ने श्वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोजेक्ट के तहत ढोलक और तबला निर्माण में वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। अमरोहा का आम भी आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में अपनी विशेष पहचान स्थापित कर चुका है। विकास कार्यों का व्योरा देते हुए उन्होंने बताया कि आज अमरोहा विधानसभा क्षेत्र के लिए 35.195 करोड़ रुपये की 6 परियोजनाओं का शिलान्यास और 69.162 करोड़ रुपये की 19 परियोजनाओं का लोकार्पण किया गया है। वहीं, धनौरा



विधानसभा के लिए 59.109 करोड़ रुपये की 5 परियोजनाओं का शिलान्यास और 44.026 करोड़ रुपये की 13 परियोजनाओं का लोकार्पण संपन्न हुआ है।

गंगा एक्सप्रेस-वे से विकास को मिली नई गति

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गंगा एक्सप्रेस-वे बनने से अमरोहा और दिल्ली के बीच की दूरी काफी कम हुई है। आज दिल्ली तक की यात्रा लगभग डेढ़ घंटे में संभव हो रही है। उन्होंने बताया कि हरिद्वार तक बेहतर संपर्क के लिए भी कार्य प्रगति पर है, जिससे क्षेत्र के विकास और पर्यटन को नई गति मिलेगी।

किसानों के हित सर्वोपरि, समय पर हुआ गन्ना भुगतान

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। किसानों को समयबद्ध गन्ना भुगतान सुनिश्चित किया गया है तथा गन्ने का



मूल्य बढ़ाकर डूडो40 प्रति क्विंटल किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में 122 चीनी मिलों का सफल संचालन हो रहा है तथा किसानों का लगभग 3.23 लाख करोड़ रुपये का गन्ना मूल्य भुगतान किया जा चुका है।

विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना से बदलेगा प्रदेश का भविष्य

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आगामी 50 से 100 वर्षों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्वस्तरीय आधारभूत संरचना विकसित की जा रही है। उन्होंने गंगाधाम तिगरी एवं गढ़ क्षेत्र का विकास कुंभ की तर्ज पर करने के निर्देश दिए।

सुशासन, सुरक्षा और पारदर्शिता सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्तमान सरकार में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ हुई है तथा धार्मिक आयोजनों का शांतिपूर्ण संचालन सुनिश्चित किया जा रहा है। उन्होंने



कहा कि अपराध और माफिया के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है तथा सरकारी नौकरियों में पूर्ण पारदर्शिता के साथ नियुक्तियाँ हो रही हैं। योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचाया जा रहा है।

हर वर्ग के कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार बिना किसी भेदभाव के समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने शिक्षामित्रों एवं अनुदेशकों के मानदेय में वृद्धि तथा केशलेस उपचार जैसी सुविधाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने पूर्व मंत्री एवं क्रिकेटर स्वर्गीय चेतन चौहान को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को याद किया।

विकास कार्यों में जनप्रतिनिधियों की भूमिका की सराहना

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अमरोहा लोकसभा, धनौरा एवं

हसनपुर विधानसभा क्षेत्रों में जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विकास कार्यों को गति मिली है। उन्होंने भविष्य में हसनपुर एवं नौगावां सादात विधानसभा क्षेत्रों का भी भ्रमण करने की बात कही। कार्यक्रम में राज्य मंत्री, कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान, विभाग उ.प्र. बलदेव सिंह औलख, जिला पंचायत अध्यक्ष ललित तंवर, अमरोहा सांसद चौधरी कंवर सिंह तंवर, धनौरा विधायक राजीव तरारा, विधायक हसनपुर महेंद्र खड्गवंशी, शिक्षक विधायक डॉ0 हरिसिंह ढिल्लों, भाजपा जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी, जिला प्रभारी राजीव सिसोदिया, रातोद के क्षेत्रीय अध्यक्ष चौधरी रामवीर सिंह, मंडल अध्यक्ष सरजीत सिंह, मंडलायुक्त आञ्जनेय कुमार सिंह, जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गोड़, पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, पूर्व मंत्री मदन चौहान, पूर्व सांसद वीर सिंह, राष्ट्रीय लोकदल के जिला अध्यक्ष सचिन चौधरी, पूर्व विधायक संगीता चौहान, तोताराम, हरपाल सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष शशि जैन, नगर पंचायत अध्यक्ष सैदनगली अनुकृति चौधरी, ब्लाक प्रमुख अमरोहा गुरिन्दर सिंह ढिल्लों, ममता गुर्जर, मीनाक्षी चौधरी, राजपाल सैनी, प्रवीण कुमार सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

सख्यद शान अली के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता मुख्यमंत्री की जनसभा में पहुंचे



बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सम्भल दौरे के दौरान आयोजित जनसभा में शामिल होने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार के नामित सभासद सख्यद शान अली के नेतृत्व में बस से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, विशेषकर मुस्लिम महिलाएं, बहजोई स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। बस में सवार महिलाओं में रूबी खान, फरहाना परवीन, शहनाज फातमा, सावरा बानो, नसीमा बेगम, नाइमा बेगम, हाफिजा बेगम, शमा परवीन, रेशमा परवीन, नजमा खातून, आसिया बेगम, मुन्नी बेगम, फिरदोस जहां, हिना परवीन और शाहजहां बेगम सहित कई महिलाएं शामिल रहीं। वहीं सद्दाम हुसैन, मुशिंद उस्मानी, सैयद सादिक अली समेत सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यकर्ताओं की बस को पूर्व मंडल अध्यक्ष गणेश शर्मा के नेतृत्व में रवाना किया गया। इस दौरान महामंत्री जितेंद्र सैनी और राजीव गुप्ता सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी भी मौजूद रहे। सभी कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री की जनसभा में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी सहभागिता निभाई।

भाकियू (बीआरएसएस) का प्रदर्शन, मुख्यमंत्री के नाम पुलिस को सौंपा सात सूत्रीय ज्ञापन

सम्भल(सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (बीआरएसएस) भारत राष्ट्रीय सेवक संघ के बैनर तले शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सम्भल दौरे के दौरान किसानों की समस्याओं को लेकर सात सूत्रीय मांगपत्र सौंपने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। संगठन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ता मुख्यमंत्री से मिलने के लिए जा रहे थे, लेकिन चमरोआ में नखासा थाना क्षेत्र के उपनिरीक्षक विशांत मलिक ने पुलिस बल के साथ उन्हें रोक दिया। इसके बाद संगठन के पदाधिकारियों ने शांतिपूर्ण ढंग से मुख्यमंत्री के नाम संबोधित सात सूत्रीय ज्ञापन उपनिरीक्षक विशांत



मलिक को सौंपते हुए उसे तत्काल मुख्यमंत्री तक पहुंचाने की मांग की। जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी ने बताया कि ज्ञापन में लखौरी जलालपुर और सिंहपुर सानी सहित ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, गंगा एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पर गांवों

के संकेतक बोर्ड लगाने, आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा, ग्रामीण सड़कों की मरम्मत, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टर और दवाओं की उपलब्धता, सहकारी समितियों पर समय से खाद-बीज उपलब्ध कराने, जल जीवन मिशन के तहत क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत तथा

जनपद में व्याप्त भ्रष्टाचार पर प्रभावी कार्रवाई की मांग उठाई गई। इस दौरान युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलदीप शर्मा, जिला अध्यक्ष कामेन्द्र चौधरी, जिला सलाहकार सरदार गुरुवचन सिंह, जिला महासचिव अनमोल कुमार, जिला प्रचार मंत्री संतवीर सिंह, युवा जिला मीडिया प्रभारी निर्देश कुमार, खेमपाल यादव, सुफियान पाशा, मोहम्मद हसन, मेहदी हसन, श्रीपाल यादव, वसीम मलिक, आजम मलिक, सतपाल सिंह, सनेन्द्र चौधरी, नुसरत मलिक, तारिक मलिक, मनीराम खारी, रजा हुसैन, तालिब, शाने आलम, अनवार, मोहम्मद मुस्करान सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आरोग्य मेले में स्वास्थ्य जांच,उपचार और आयुष्मान कार्ड का मिला लाभ

सम्भल(सब का सपना):- जनपद के 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं 9 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को 262वें मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 38 चिकित्सकों और 131 पैरामेडिकल कर्मियों ने कुल 2,499 मरीजों का निःशुल्क उपचार किया। इनमें 1,106 पुरुष, 1,013 महिलाएं और 380 बच्चे शामिल रहे। मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के दौरान आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के तहत 136 पात्र लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड भी बनाए गए। विभिन्न बीमारियों के मरीजों की जांच और उपचार किया गया। मेले में बुखार के



269, चर्म रोग के 313, दमा के 296, मधुमेह के 103, नेत्र रोग के 55 तथा उच्च रक्तचाप के 172 मरीजों का इलाज किया गया। बुखार से पीड़ित 22 मरीजों की मलेरिया

और 13 मरीजों की डेंगू जांच की गई, जिनकी सभी रिपोर्टें नेगेटिव आईं। सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर परिवार नियोजन संबंधी परामर्श एवं आवश्यक सामग्री उपलब्ध

कराने के लिए अलग काउंटर बनाए गए। वहीं जिलाधिकारी के निर्देश पर आशा कार्यकर्ताओं ने संचारी रोगों की रोकथाम, सोसं रिडक्शन तथा स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया। एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 278 लोगों को तंबाकू छोड़ने के लिए परामर्श भी दिया गया। इसके अलावा 91 मरीजों को टेलेमैनस के माध्यम से मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परामर्श उपलब्ध कराया गया। आरोग्य मेले का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. तरुण पाठक सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों ने किया और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

प्राचीन हनुमान मंदिर में संगीतमय सुंदरकांड का आयोजन, भक्तिरस में सराबोर हुए श्रद्धालु

चन्दौसी/संभल(सब का सपना):- स्वामी भूमानंद सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में पंजाबी कॉलोनी स्टेशन रोड स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर परिसर में 1268वें संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भक्ति का आनंद लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित अनेक शर्मा ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर कराया। इसके बाद केजी शर्मा एवं राजेश शंखधार ने गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का भावपूर्ण पाठ किया। राजू शर्मा ने सुंदरकांड की चौपाइयों का विस्तृत वर्णन करते हुए उनके आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। ट्रस्ट के अध्यक्ष केजी शर्मा ने हे दुखभंजन मारुतिनंदन, सुन लो मेरी पुकार सहित कई भक्तियों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। हारमोनियम



पर अशर्फी लाल, बोलक पर राजू शर्मा तथा झांझ पर पूरी मंडली ने जोड़कर संगत दी, जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। वक्ताओं ने कहा कि सुंदरकांड का नियमित पाठ व्यक्ति को मानसिक शांति, आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक सोच

प्रदान करता है तथा भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जोड़कर रखता है। कार्यक्रम का समापन महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ। इस अवसर पर अमित, जे.एन. मिश्रा, योगेंद्र कुमार शर्मा, आलोक दुबे, राजीव शर्मा, रमेश ग्रेवाल,

कल्पना, ब्रजेंद्र शर्मा, राकेश शर्मा, राकेश चौबे, गुलशन अरोरा, सुदर्शन वाण्णैय, राकेश गुप्ता, संजीव शर्मा, पी.एक. शर्मा, सुमित पाराशरी, जगन्पाल सिंह, अशोक पाठक, सर्वेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी ने सम्भल को दी 569 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

66 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास, धार्मिक पर्यटन, सड़क संपर्क और जनकल्याण योजनाओं पर दिया जोर



में माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में सम्भल को करीब 569 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात मिली है, जिससे जनपद के विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने चन्दौसी और बहजोई क्षेत्र की विभिन्न विकास योजनाओं का उल्लेख करते हुए कई नई परियोजनाओं की मांग भी मुख्यमंत्री के समक्ष रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि सम्भल की धार्मिक एवं

सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए 24 कोसीय परिक्रमा मार्ग, प्राचीन तीर्थों और महाकूपों का विकास कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बहजोई में इंटिग्रेटेड जिला मुख्यालय और पुलिस लाइन का निर्माण किया जा रहा है, जबकि सम्भल में पीएसी बटालियन की स्थापना होगी। गंगा एक्सप्रेसवे और बेहतर सड़क संपर्क से जनपद की आर्थिक गतिविधियों को भी नई दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार भूमाफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है और



कब्जा मुक्त कराई गई भूमि का उपयोग गरीबों एवं जरूरतमंदों के हित में किया जाएगा। उन्होंने मेंथा किसानों के हित में केंद्र सरकार की नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे सम्भल के किसानों को लाभ मिला है। साथ ही उन्होंने कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, आयुष्मान योजना, उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास और अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, चेक एवं प्रमाण-पत्र वितरित किए तथा

चन्दौसी में भगवान श्री गणेश की 145 फीट और भगवान श्रीराम की 51 फीट ऊंची प्रस्तावित प्रतिमाओं का वचुंअल अनावरण भी किया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री जे.पी.एस. राठौर, कृषि राज्य मंत्री बलदेव सिंह औलख, एमएलसी सत्यपाल सिंह सैनी, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. अनामिका यादव, मंडलायुक्त ऑर्जनैय कुमार सिंह, जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल, पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिस्नोई सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

परिवार परामर्श केंद्र की पहल रंग लाई, सात बिखरे परिवार फिर हुए एक

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिस्नोई के निर्देशन में शनिवार को महिला थाना बहजोई में पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक थाना प्रभारी डॉ. रूकमपाल सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पति-पत्नी के बीच चल रहे पारिवारिक विवादों को काउंसलिंग के माध्यम से सुलझाने का प्रयास किया गया। काउंसलिंग के



दौरान कुल 74 पत्रावलियों पर सुनवाई की गई, जिनमें से 21

मामलों का निस्तारण किया गया। इनमें 7 परिवारों में आपसी सहमति

से समझौता कराया गया, जबकि 2 मामलों में विधिक कार्रवाई की संस्तुति की गई। वहीं 12 मामलों में आवेदक या आवेदिका के उपस्थित न होने अथवा रुचि न लेने के कारण पत्रावली बंद कर दी गई। बैठक में काउंसलर लवमोहन वाण्णैय, श्वेता गुप्ता, बबिता शर्मा, सीमा आर्य, कांस्टेबल शहजाद मलिक तथा महिला कांस्टेबल ज्योति सहित अन्य पुलिसकर्मियों मौजूद रहे।

कोबरा के डंसने के बाद भी नहीं डिगा होसला, जाबुल ने उसी गांव में फिर किया सफल रेस्क्यू

कैला देवी/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना कैला देवी क्षेत्र के गांव नारंगपुर में शनिवार को एक बार फिर कोबरा सांप निकलने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्नेक सेवर जाबुल हसन अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कड़ी मशक्कत के बाद जहरीले कोबरा सांप का सुरक्षित रेस्क्यू कर उसे पकड़ लिया। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले इसी गांव में रेस्क्यू के दौरान जाबुल हसन को कोबरा सांप ने काट लिया था। उस घटना



के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और लोगों की सुरक्षा के लिए फिर उसी गांव में पहुंचकर सांप का सफल रेस्क्यू किया। उनकी इस बहादुरी

और सेवा भावना की ग्रामीणों ने जमकर सराहना की। जाबुल हसन ने बताया कि उनका उद्देश्य सांपों को मारना नहीं, बल्कि उन्हें सुरक्षित

जंतर-मंतर धरने की तैयारियों को लेकर संभल में अल्पसंख्यक कांग्रेस का जिला सम्मेलन

संभल(सब का सपना):- अखिल भारतीय अल्पसंख्यक कांग्रेस के तत्वावधान में शहर के तरीन कैम्प में रविवार को जिला स्तरीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य 27 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित दलित एवं अल्पसंख्यक विभाग के धरना-प्रदर्शन की तैयारियों की समीक्षा करना तथा अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करना रहा। सम्मेलन में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश अल्पसंख्यक कांग्रेस के प्रदेश महासचिव नासिर चौधरी ने कहा कि कांग्रेस संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष कर रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बड़ी संख्या



में दिल्ली पहुंचकर धरना-प्रदर्शन को सफल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद आरिफ तुर्की ने की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दलितों, अल्पसंख्यकों, किसानों, युवाओं और समाज के वंचित वर्गों की आवाज को मजबूती से उठाती

रही है। संगठन की मजबूती पर जोर देते हुए उन्होंने बूथ स्तर तक पार्टी को सशक्त बनाने का आह्वान किया। जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष आरिफ खान तनवीर ने सभी अतिथियों और कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि संभल से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता 27 जुलाई

मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे सपा नेता फिरोज खां हाउस अरेस्ट

पुलिस ने रोका, बाद में इंस्पेक्टर हयातनगर को सौंपा नौ सूत्रीय मांगपत्र

सम्भल(सब का सपना):- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सम्भल दौरे के दौरान समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकर्तापूर्वी सदस्य फिरोज खां को मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के लिए जाते समय सम्भल पुलिस ने उनके आवास पर ही हाउस अरेस्ट कर दिया। इसके बाद उन्होंने अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन इंपेक्टर हयातनगर को सौंप दिया। ज्ञापन में गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने, देश एवं प्रदेश से मीट के निर्यात पर रोक लगाने,



मस्जिदों एवं मजारों पर बुलडोजर कार्रवाई निषेध जांच के बाद ही किए जाने, सम्भल की मुस्लिम ऐतिहासिक धरोहरों के

सौंदर्यीकरण, किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराने, बारिश से फसलों के नुकसान का मुआवजा देने, सम्भल-गजरीला

रेलवे लाइन के विस्तार, सम्भल में जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की नियमित मौजूदगी सुनिश्चित करने तथा जिले में एक राजकीय इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना की मांग की गई। ज्ञापन सौंपने के दौरान रामरहिस यादव, जबर सिंह यादव, वसीम खां, साद, अदील, सुहेल अली, जीशान खां, शमशेर अली, पवन यादव, मोनिस, गुलाम मुस्तफा, जाहिर खां, अजमत, अमरपाल, गौरव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

खबर एक्सप्रेस

पीजीआई के डिप्टी डायरेक्टर पंकज राय को एक्सलीसें अर्वाॉड, मरीजों की मदद के लिए 'प्रोजेक्ट सारथी' से बने मिसाल



चंडीगढ़। मरीजों की मदद के लिए बनाए प्रोजेक्ट सारथी से मिसाल बने पीजीआई के डिप्टी डायरेक्टर (प्रशासन) पंकज राय को उत्कृष्ट लोक प्रशासन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित एमएफआई-पीआरसीआई एम्सीलेसें अर्वाॉड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री में आयोजित 7वें एंटरप्रेन्योर एंड अचीवर अवार्ड्स-2026 समारोह में हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राय नखीर सिंह ने प्रदान किया। इस अवसर पर ब्रिटिश डिप्टी हाई कमिश्नर अल्ब्या स्मेरिंग्लियो मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। पंकज राय को यह सम्मान पीजीआई में प्रशासनिक सुधार, मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और नवाचार आधारित कार्यों के लिए दिया गया। उनके नेतृत्व में शुरू किया गया प्रोजेक्ट सारथी मरीजों की सहायता के लिए देशभर में एक सफल मॉडल बन चुका है। प्रोजेक्ट सारथी के माध्यम से स्वयंसेवक मरीजों और उनके परिजनों को अस्पताल में विभिन्न सेवाओं तक पहुंचने में मदद करते हैं। पीजीआई निदेशक प्रो. विवेक लाल ने कहा कि पंकज राय को यह सम्मान दूरदर्शी सोच, समर्पण और बेहतर प्रशासन पर मिला है। उन्होंने प्रोजेक्ट सारथी ने मरीज केंद्रित सेवाओं को नई पहचान दिलाई है।

चंडीगढ़ में रिटायर्ड आईपीएस की कोठी में युवती का शव मिलने पर बवाल, परिजनों का अस्पताल में हंगामा, पुलिस से झड़प



चंडीगढ़। सेक्टर-10 स्थित गुजरात पुलिस विभाग से रिटायर्ड आईपीएस अधिकारी की कोठी में 19 वर्षीय युवती का शव मिलने के मामले ने तूल पकड़ लिया है। रविवार को युवती के परिजनों ने हत्या का आरोप लगाते हुए सेक्टर-16 सरकारी अस्पताल में जमकर हंगामा किया। इस दौरान पुलिस और परिजनों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। शनिवार को कोठी के एक कमरे में युवती का शव सदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला था। युवती मूल रूप से उत्तर प्रदेश की रहने वाली थी और करीब एक सप्ताह पहले ही घरेलू काम के लिए कोठी में नियुक्त हुई थी। रविवार को पुलिस शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सेक्टर-16 अस्पताल ले जा रही थी। परिजनों ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाने का विरोध करते हुए हत्या का आरोप लगाया। उनका कहना था कि उनकी बेटी की हत्या करने के बाद उसके शव को फंदे से लटका दिया गया, ताकि घटना को आत्महत्या का रूप दिया जा सके। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें घटना की सूचना काफी देर से दी गई। जब तक वे मौके पर पहुंचे, शव को पहले ही अस्पताल भेज दिया गया था। उन्हें उस कमरे को देखने तक की अनुमति नहीं दी गई, जहां युवती का शव मिला था। हंगामे के दौरान पुलिस और परिजनों के बीच तीखी नोकझोंक और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस से किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस का कहना है कि हर पहलू से जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के आधार पर आरो की कार्रवाई की जाएगी।

सीटीयू की वॉल्वो बस कैंटर से टकराई, नैनीताल जा रहे यात्री घायल, युवती खिड़की से गिरी; चंडीगढ़-अंबाला हाईवे पर हादसा



मोहाली। नैनीताल जा रही चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू) की वॉल्वो बस आगे चल रहे एक कैंटर से जा टकराई। दुर्घटना में तीन यात्री घायल हो गए, जबकि एक युवती बस की खिड़की से बाहर सड़क पर जा गिरी। हादसा चंडीगढ़-अंबाला हाईवे पर मोहाली के जीरकपुर में हुआ। हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने वाहन हटवाकर सामान्य कराया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस और स्थानीय लोग ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस का स्टीयरिंग अचानक लॉक हो गया था, जिसके कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका। पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही बस में आई तकनीकी खराबी के कारणों की भी जांच की जा रही है।

पंजाब के फाजिल्का में 3 किल्ले जमीन के विवाद में खूनी खेल, पड़ोसी खेत मालिक ने युवक के गुप्तांग पर दागी गोली

अंबोहर। श्रीगंगानगर मार्ग पर स्थित गांव गिदडौवाली निवासी एक युवक को उसके ही पड़ोसी खेत मालिक ने पिस्टल से गोली मारकर घायल कर दिया जिसने वहां से भागकर अपनी जान बचाई। घायल को उसके दोस्त ने बाईक के माध्यम से तुरंत सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। उपचाराधीन 25 साल के जशनदीप सिंह पुत्र निर्मलजीत ने बताया कि उनका अपने पड़ोसी खेत मालिक से तीन किल्ले जमीन को लेकर पुराना विवाद चल रहा है जिसका अदालत में केस भी चल रहा है लेकिन उक्त पड़ोसी खेत मालिक कुछ रसखुदार लोगों की मदद से उसकी जमीन पर जबरन कब्जा करना चाहता है। जशनदीप ने बताया कि रविवार को वह अपने भाई के साथ खेत में गया तो उक्त पड़ोसी खेत मालिक जबरन उनके खेत में घुस आया और उससे धक्का मुक्की शुरू कर दी जब उसने विरोध जताया तो आरोप के अनुसार उनका पड़ोसी खेत मालिक ने अपनी 32 बोर पिस्टल से उसके गुप्तांग पर फायर कर दिया जिससे वह घायल हो गया। गोली चलने पर उसके भाई ने वहां से भाग कर अपनी जान बचाई। जशनदीप ने बताया कि उसके द्वारा शोर मचाने पर अन्य लोग एकत्रित हुए तो वह किसी तरह वहां से भागा और अपने दोस्त परमजीत को फोन किया जिसने तुरंत वहां आकर उसे यहां के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत गंभीर बताई होने के कारण उसे फरीदकोट रेफर कर दिया गया है। एसपी आशवर्त सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया कि गांव में गोली चलने की सूचना उन्हें मिली है इसके लिए डीएसपी हरिया कुमार की जांच के लिए ड्यूटी लगा दी गई है जो मामले की जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि आरोपितों को जल्द काबू कर लिया जाएगा।

पंजाब सरकार की 'सेहत योजना' हृदय रोगियों के लिए बनी वरदान, 135 मरीजों के कैशलेस इलाज पर खर्च किए 2.71 करोड़ रुपये

चंडीगढ़। फाजिल्का जिले के 58 वर्षीय मनजीत सिंह कई सप्ताह तक सोने में हो रही तकलीफ को सामान्य थकान समझकर नजरअंदाज करते रहे। लेकिन जब सोने में उठने वाला दर्द बार-बार होने लगा और थोड़ी दूर चलने पर भी बेचैनी महसूस होने लगी, तो उन्होंने चिकित्सकीय जांच करवाई। जाँच में पता चला कि उनके हृदय की एक कोरोनरी धमनी में रुकावट है और तत्काल उपचार की आवश्यकता है। कुछ ही घंटों के भीतर उन्हें कैथेटराइजेशन लैब में ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने एंजियोप्लास्टी कर स्टेंट डाला और उनके हृदय में रक्त प्रवाह को सामान्य कर दिया। मनजीत सिंह का मामला



प्रमुख संकेत हो सकते हैं। लेकिन अक्सर लोग इन लक्षणों को तब तक नजरअंदाज करते रहते हैं, जब तक स्थिति गंभीर चिकित्सा आपातकाल का रूप नहीं ले लेती। चिकित्सकों का कहना है कि इन चेतावनी संकेतों को समय रहते पहचानकर तुरंत उपचार करवाने से जीवन बचाने और

हृदय को स्थायी क्षति से बचाने की संभावना काफी बढ़ जाती है। भारत में यह चुनौती लगातार बढ़ रही है। इंडियन कॉसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) के अनुसार, पिछले तीन दशकों में हृदय एवं रक्तवाहिका संबंधी रोग देश में बीमारी और मृत्यु का प्रमुख कारण बन चुके हैं। तेज

शहरीकरण, निष्क्रिय जीवनशैली, असंतुलित खानपान, तंबाकू सेवन, डायाबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी स्थितियों ने इस समस्या को और गंभीर बनाया है। हालाँकि हृदय चिकित्सा के क्षेत्र में हुई प्रगति से मरीजों के बचने की संभावना बढ़ी है, लेकिन उपचार की ऊँची लागत आज भी अनेक परिवारों के लिए जीवनरक्षक उपचार को पहुँच से बाहर कर देती है। मनजीत सिंह जैसे मरीजों के लिए सबसे बड़ी चुनौती चिकित्सकीय नहीं, बल्कि आर्थिक थी। पंजाब में ऐसे अनेक परिवार, जिन्हें हृदय संबंधी आपात स्थिति का सामना करना पड़ता है, मुख्यमंत्री सेहत योजना के तहत समय पर उपचार प्राप्त कर रहे हैं।

नियुक्ति पत्र जरूरी और 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं, महिलाओं को रात को सुरक्षा; चंडीगढ़ में लागू होंगे नए नियम



चंडीगढ़। यूपी में कर्मचारियों के लिए जल्द ही नियम बदलने जा रहे हैं, जोकि प्राइवेट कंपनियों और निजी संस्थानों पर भी लागू होंगे। प्रत्येक कर्मचारी को नियुक्ति पत्र देना। सप्ताह में 48 घंटे से अधिक काम नहीं कराया जा सकेगा। महिला कर्मचारियों की रात्रि पाली के लिए सुरक्षा सुनिश्चित करनी होगी। इसके लिए प्रशासन ने व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं कार्य परिस्थितियाँ (ओएसएचडब्ल्यूसी) नियम, 2026 का ड्राफ्ट जारी किया है। ड्राफ्ट पर 45 दिनों के भीतर सुझाव और आपत्तियाँ आमंत्रित की हैं। दैनिक कार्य अवधि और ओवरटाइम भी निर्धारित मानकों के अनुसार ही होगी। कर्मचारियों के कार्य घंटे, अवकाश, वेतन अभिलेख और अन्य रिकॉर्ड का रखरखाव भी नियोक्ताओं के लिए अनिवार्य होगा। 40 वर्ष से अधिक आयु के कर्मचारियों का वार्षिक स्वास्थ्य परीक्षण और जोखिम वाले कार्यों में लगे कर्मचारियों की वर्ष में दो बार मेडिकल जांच कराने का भी प्रविधान रखा गया है। महिला कर्मचारियों की रात्रि पाली में काम कराने की अनुमति सुरक्षा उपायों के साथ होगी। नियोक्ताओं को सुरक्षित परिवहन, पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य निर्धारित मानकों का पालन करना होगा। ड्राफ्ट के अनुसार कार्यस्थल पर किसी कर्मचारी की मृत्यु या गंभीर दुर्घटना होने पर नियोक्ता को निर्धारित समय-सीमा के भीतर संबंधित अधिकारियों, पुलिस और कर्मचारी के परिजनों को सूचना देनी होगी। बड़े औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सेफ्टी कमेटी और निर्धारित श्रमिक संख्या वाले संस्थानों में सेफ्टी ऑफिसर नियुक्त करने का भी प्रस्ताव है।श्रम विभाग के अनुसार प्राप्त सुझावों और आपत्तियों पर विचार करने के बाद नियमों को अंतिम रूप देकर अधिसूचित किया जाएगा।

पंजाब की 5 हजार अवेध कालोनियों को राहत, 30 सितंबर तक मिला नियमितीकरण का मौका; जानिए पूरी नीति

चंडीगढ़। पंजाब सरकार राज्यभर की करीब 5,000 अनधिकृत कालोनियों को नियमित करने की तैयारी में है। पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रेगुलेशन (पीएपीआर) नियमों में संशोधन के बाद नई नियमितीकरण नीति की जल्द अधिसूचित किए जाने की संभावना है। सरकार का उद्देश्य वर्षों से कानूनी मान्यता का इंतजार कर रही कालोनियों और उनमें रहने वाले हजारों परिवारों को राहत देना है। नई नीति लागू होने के बाद डेवलपर और रेंजिडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) 30 सितंबर तक नियमितीकरण के लिए आवेदन कर सकेगी। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार पहले राज्य में करीब 7,000 अवेध कालोनियों की पहचान की गई थी। इनमें से लगभग 2,000 कालोनियां पूर्व की नीतियों के तहत नियमित हो सकीं, जबकि बड़ी संख्या में आवेदन भूमि स्वामित्व, राज्यच रिकार्ड, नक्शों और अन्य जरूरी दस्तावेजों के अभाव में खारिज हो गए थे। अब सरकार ने प्रक्रिया को सरल बनाकर अधिक से अधिक कालोनियों को इसका लाभ देने का फैसला किया है। मात्र लुधियाना में 2 हजार अवेध कालोनियां अधिकारियों के मुताबिक वर्तमान में राज्य में करीब 5,000 अवेध कालोनियां हैं, जिनमें अधिकांश नगर निगम क्षेत्रों के बाहर स्थित हैं। लुधियाना में ऐसी लगभग 2,000 कालोनियां होने का अनुमान है, जो पूरे राज्य में सबसे अधिक हैं। इससे पहले वर्ष 2013, 2016 और 2018 में भी नियमितीकरण की योजनाएं लाई गई थीं, लेकिन उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली। नई नीति के तहत कम से कम 25 प्रतिशत विकसित हो चुकी कालोनियां नियमितीकरण के लिए पात्र होंगी। मास्टर प्लान में कृषि भूमि के रूप में चिह्नित क्षेत्रों की कालोनियों को भी, जीएमएडीए क्षेत्रीय योजना को छोड़कर, राहत दी जाएगी। पहले किसी कारण से आवेदन खारिज होने वाली कालोनियां भी दोबारा आवेदन कर सकेगी। नीति में कालोनी के लिए न्यूनतम 20 फुट चौड़ी सड़क और 50 से 239.2 वर्ग गज तक के प्लॉट का प्रावधान रखा गया है। आवेदन प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर अस्थायी नियमितीकरण प्रमाणपत्र जारी करने की व्यवस्था होगी। इसके बाद निर्धारित शुल्क जमा करने पर प्लॉट मालिक नियमितीकरण प्रमाणपत्र लेकर अपनी संपत्ति का पंजीकरण करा सकेगे और भवन निर्माण संबंधी आवश्यक मंजूरियां भी प्राप्त कर सकेगे। आरडब्ल्यूए को कालोनियों की ओर से आवेदन करने की अनुमति दी जाएगी, हालांकि सभी वैधानिक मंजूरियां और अनापत्ति प्रमाणपत्र लेना अनिवार्य होगा। नियमितीकरण और कंपाउंडिंग शुल्क प्रचलित कलेक्टर दफ्ता के आधार पर तय किए जाएंगे। डेवलपर को राहत, संपत्ति होगी वैध उल्लेखनीय है कि तीन जुलाई को पंजाब मंत्रिमंडल ने पीएपीआर नियमों के निमम-31 में संशोधन को मंजूरी दी थी।

स्कूल में बकरा बंधवाने और चारदीवारी निर्माण में अनियमितता की आरोपी प्रधानाध्यापिका निलंबित

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के विकास खंड अफजलगढ़ के प्राथमिक विद्यालय मिर्कपुरवाला की प्रधानाध्यापिका काशिमा खातून को विद्यालय में गंभीर वित्तीय एवं प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों में निलंबित कर दिया गया है। मुख्य विकास अधिकारी की जांच के बाद जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सचिन कसाना ने निलंबन आदेश जारी किए हैं। जांच में वर्ष 2023-24 में विद्यालय की चारदीवारी निर्माण के लिए स्वीकृत 4.42 लाख रुपये के कार्य में वित्तीय अनियमितता की पुष्टि हुई। आरोप है कि विभागीय प्रक्रिया और वित्तीय



नियमों का पालन किए बिना प्रधानाध्यापिका ने अपने पति को टेकेदार बनाकर निर्माण कार्य कराया, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग की शिकायत सही पाई गई। इसके अलावा जांच में यह भी सामने आया कि 28 मई 2026 को ईद-उल-अजहा (बकराई) के अवसर पर विद्यालय परिसर में बकरा बांधा गया तथा विद्यालय के अध्यक्षरत

बच्चों से जंगल से चारा कटवाकर उसे खिलाया गया। इस मामले की पुष्टि एक समाचार चैनल में प्रसारित खबर से भी होने का उल्लेख जांच रिपोर्ट में किया गया है। निलंबन आदेश में विद्यालय में अनुशासनहीनता, सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली के उल्लंघन तथा विभागीय निर्देशों की अवहेलना को भी आधार बनाया गया है। निलंबन अवधि में प्रधानाध्यापिका को ब्लॉक संसाधन केंद्र, अफजलगढ़ से संबद्ध किया गया है तथा नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता दिए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं।

किसानों की समस्याओं को लेकर 21 जुलाई को किसानों ने दी बड़े.आन्दोलन की चेतावनी

बिजनौर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन (टिकैत गुट) के जिलाध्यक्ष सुनिल प्रधान ने गन्ना समिति में आयोजित एक प्रेस वार्ता में भारत सरकार को सचेत किया कि अमेरिका से की जाने वाली ट्रेड सन्धि में किसानों को प्रभावित करने वाले समझौता नहीं करें अन्यथा भारत में दूध, दही आदि के दाम काफी कम हो जायेंगे जिससे किसानों को काफी नुकसान होगा। उन्होंने किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर जिलाधिकारी को जापान सोपा। जापान में कहा गया कि लंबे समय से लंबित समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाए। जापान में किसानों ने मांग की कि बिजली बिलों पर लगाई गई ब्याज राशि माफ की जाए तथा



उपभोक्ताओं की सहमति के बिना विद्युत कनेक्शन का भार (लोड) बढ़ाने पर रोक लगाई जाए। हाईटेशन विद्युत लाइनों के नीचे आने वाले मकानों का सुरक्षित स्थान पर पुनर्वास कराया जाए तथा जर्जर विद्युत पोलों को बदला जाए। इसके अलावा गुलदार, चीता व अन्य जंगली

रोक लगाने, किसानों के खेतों में फैल रही गंदगी व जलभराव की समस्या का निस्तारण कराने, डीपी एवं अन्य विद्युत उपकरणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने की भी मांग की गई। किसान यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही इन मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई तो संगठन 21 जुलाई को कलक्ट्रेट में अनिश्चित कालीन धरना प्रदर्शन शुरू करेगा जिसकी अभी से व्यापक तैयारी शुरू कर दी गई है। जापान पर संगठन के पदाधिकारियों के हस्ताक्षर भी अंकित हैं। इस मौके पर रामावतार सिंह नरदेव सिंह कुलदीप चौहान दिनेश कुमार राजेंद्र सिंह अंकुर चौधरी सदीप त्यागी मुकेश जंघाला आदि किसान नेता मौजूद रहे

लाखों शिवभक्तों की सुरक्षा के लिए खुद जमीन पर उतरे DM-SP, कांवड़ मार्ग का किया औचक निरीक्षण

श्रावण कांवड़ यात्रा और महाशिवरात्रि पर्व को लेकर बिजनौर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में



बिजनौर (सब का सपना):- जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने शनिवार को कांवड़ यात्रा मार्गों का संयुक्त निरीक्षण कर सुरक्षा, यातायात, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने सभी विभागों को समय रहते तैयारियां पूरी करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। श्रावण

कांवड़ यात्रा और महाशिवरात्रि पर्व को लेकर बिजनौर जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। आगामी कांवड़ यात्रा के दौरान लाखों शिवभक्तों की सुरक्षा, सुगम यातायात और बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कांवड़ यात्रा मार्गों का



निरीक्षण किया। इस दौरान दोनों अधिकारियों ने यात्रा मार्ग की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और मौके पर मौजूद पुलिस तथा प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, यातायात संचालन, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था

और संवेदनशील स्थानों की निगरानी जैसी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। साथ ही श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़े सभी महत्वपूर्ण पहलुओं पर भी विशेष ध्यान दिया गया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

पंजाब में फिर सक्रिय हुआ मानसून, सोमवार 6 जिलों में ओरेंज व 7 में यलो अलर्ट; झमाझम होगी बारिश !

अमृतसर। पंजाब में एक बार फिर मानसून सक्रिय हो गया है। रविवार को कई इलाकों में मौसम का मिजाज बदलने के बाद सोमवार को बारिश का दायरा और बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों के लिए ओरेंज और यलो अलर्ट जारी किया है। जिन क्षेत्रों में ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है, वहां तेज बारिश के साथ गरज-चमक और कुछ स्थानों पर बिजली गिरने की भी आशंका है। वहीं यलो अलर्ट वाले जिलों में हल्की से मध्यम बारिश



सकता। इन जिलों में ओरेंज अलर्ट मौसम विभाग ने पटानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, नवांशर, रूपनगर और फतेहगढ़ साहिब जिलों के लिए ओरेंज अलर्ट जारी किया

है। इन जिलों में कहीं-कहीं तेज बारिश, गरज के साथ बिजली चमकने और कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना जताई गई है। लोगों को खराब मौसम के दौरान

अनावश्यक यात्रा से बचने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी गई है। इन जिलों में यलो अलर्ट मौसम विभाग के अनुसार अमृतसर, तरनतारन, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, पटियाला, मोहाली और श्री मुक्तसर साहिब जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है। इन क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर तेज बारिश और गरज-चमक की संभावना है। अन्य जिलों में कोई अलर्ट नहीं राज्य के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से के फाजिल्का,

फिरोजपुर, मोगा, फरीदकोट, बठिंडा, मानसा, बरनाला और संगरूर जिलों में फिलहाल किसी प्रकार का मौसम अलर्ट जारी नहीं किया गया है। हालांकि इन जिलों में भी बादल छाए रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश होने की संभावना बनी हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून की गतिविधियां फिर से तेज होने लगी हैं और आने वाले दिनों में प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में अच्छी बारिश दर्ज की जा सकती है।

पेपर लीक के विरोध में जंतर-मंतर पर धरने पर बैठे सोनम वांगचुक को उठाने के विरोध में आप नेता का एक दिवसीय अनशन



खानपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- आम आदमी पार्टी के नेता सूर्य प्रताप शाही ने पेपर लीक के विरोध में दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्वक धरने पर बैठे शिक्षाविद् सोनम वांगचुक को बलपूर्वक उठाए जाने के विरोध में शुक्रवार को एक दिवसीय अनशन किया। चंडेरा गांव निवासी सूर्य प्रताप शाही ने गांव के बाहर स्थित शिव मंदिर पर अनशन किया। उन्होंने केंद्र सरकार की इस कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का अधिकार छीना गलत है। अनशन स्थल पर गायक रतन गंभीर और बिजेंद्र गजरीला ने प्रस्तुति दी। रतन गंभीर ने मां की ममता पर आधारित गीत सुनाकर कहा कि जो मां-बाप की इज्जत नहीं करता, उससे बड़ा अभागा दुनिया में कोई नहीं। इस अवसर पर चमकेश, हरसरन सिंह, राजेंद्र, जगदीश, भौपाली, चंद्रपाल, निजाम, रवि, यशपाल, अरुण कुमार, कुलदीप, रामदीन, रविंद्र राणा, नरेश कुमार, टेका, किरनपाल, योगेश, नासिर, बाँबी गुप्ता, सोमबीर, राजकुमार, औगन मास्टर, ओमपाल, योगपाल, सम्पू, राकेश राणा, कृपाल सिंह, सतबीर सिंह, मोहित नंबरदार सहित बड़ी संख्या में आप कार्यकर्ता और ग्रामीण मौजूद रहे।

दौलतपुर कला के नाले में मिला बुगरासी निवासी आरिफ का शव

नरसेना/बुलंदशहर (सब का सपना):- जनपद के थाना नरसेना क्षेत्र के गांव दौलतपुर कला में शुक्रवार को जहांगीराबाद रोड स्थित नाले में एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव की पहचान बुगरासी निवासी आरिफ के रूप में की। एसओ नरसेना रामकिशोर गौतम ने बताया कि परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरवाया और पोस्टमार्टम के लिए बुलंदशहर जिला अस्पताल भेज दिया। एसओ ने बताया कि मृतक शराब पीने का आदी था। आशंका है कि वह शराब के नशे में नाले में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। मामले की जांच की जा रही है।

शिकारपुर के तालाब में मिला शिवलिंग, पूजा-अर्चना शुरू, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़



शिकारपुर/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगरपालिका परिषद द्वारा शासनदेशों के तहत दौज वाली पोखर (तालाब) का सौंदर्यीकरण कार्य चल रहा है। इसी दौरान शुक्रवार शाम बच्चों के खेलते समय तालाब में एक शिवलिंग (पंडी डी) दिखाई देने की सूचना फैलते ही मौके पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुट गई। नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष राजबाला देवी ने मौके का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि पूरे मामले से जिलाधिकारी बुलंदशहर को अवगत कराया जाएगा तथा जिस स्थान पर शिवलिंग मिला है, उसे संरक्षित कराने की कार्रवाई की जाएगी। इस बीच श्रद्धालुओं ने शिवलिंग का जलाभिषेक और पूजा-अर्चना शुरू कर दी। लोगों ने दान पात्र में श्रद्धानुसार धनराशि भी अर्पित करनी शुरू कर दी है। मौके पर श्रद्धालु "हर-हर महादेव" के जयघोष के साथ उत्साह और आस्था का प्रदर्शन कर रहे हैं।

पत्नी के मायके में युवक का शव फंदे पर मिला, हत्या का आरोप

बुलन्दशहर (सब का सपना):- जनपद के पहासू थाना क्षेत्र के गांव दीधी में रविवार को पत्नी के मायके में युवक का शव फंदे से लटका मिला। मृतक के परिजनों ने सहायल पक्ष पर हत्या का जम्हू-कश्मीर के उधमपुर स्थित उसकी सीआरपीएफ बटालियन से गिरफ्तार किया है। आरोपी पर 18 जून 2026 को बुजमोहन शर्मा की हत्या का आरोप है। इस मामले में पहले ही तीन आरोपी जेल भेजे जा चुके हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में निशुल्क शीतल जल सेवा अतिरल चालू

खुर्जा/बुलंदशहर (सब का सपना):- समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में जिला अध्यक्ष डीसी गुप्ता काटि वाले के सहयोग से ग्रौमकाल में आमजन की सुविधा हेतु खुर्जा- बुलंदशहर में निशुल्क शीतल जल सेवा अतिरल चल रही है।इस सेवा के अंतर्गत प्रमुख स्थानों पर पानी की टंकी/मटके /घड़े आदि की व्यवस्था की गई है, ताकि राहगीर, श्रमिक, रिश्ता चालक, व्यापारी एवं अन्य नागरिक अपनी प्यास बुझाकर राहत प्राप्त कर सकें। भीषण गर्मी में प्यासे लोगों को शुद्ध एवं शीतल जल उपलब्ध कराना मानव सेवा का श्रेष्ठ कार्य है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डीसी गुप्ता ने कहा कि "जल सेवा सर्वोत्तम सेवा है।" प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपनी सामर्थ्य के अनुसार समाज सेवा के ऐसे कार्यों में आगे आना चाहिए। प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य है और यही सच्ची मानव सेवा है।समाज कल्याण फेडरेशन ऑफ इंडिया ने सभी नागरिकों से इस जनहितकारी अभियान में सहयोग करने तथा अधिक से अधिक स्थानों पर निशुल्क जल सेवा की व्यवस्था करने का आह्वान किया।

पिछड़ा वर्ग आयोग की जनसुनवाई कल, कलेक्ट्रेट बहजोई में आमजन से मांगे जाएंगे सुझाव व आपत्तियां

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग, लखनऊ के अध्यक्ष एवं सदस्यगण मंगलवार को जनपद सम्भल के भ्रमण पर रहेंगे। इस दौरान आयोग की ओर से कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में अपराह्न 3:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जनसुनवाई में आयोग आमजन से स्थानीय ग्रामीण निकायों से संबंधित विषयों पर सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त करेगा। जिला प्रशासन ने जनपद के सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी बात रखने और सुझाव प्रस्तुत करने की अपील की है। कार्यक्रम में आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह के साथ सदस्य बृजेश कुमार (सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश), संतोष कुमार विश्वकर्मा (सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश), डॉ. अरविंद कुमार चौरसिया (सेवानिवृत्त आर्डीएस) तथा एस.पी. सिंह (सेवानिवृत्त आर्डीएस) भी मौजूद रहेंगे। आयोग जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सुझावों एवं आपत्तियों पर विचार करेगा।

पिछड़ा वर्ग आयोग की जनसुनवाई कल, कलेक्ट्रेट बहजोई में आमजन से मांगे जाएंगे सुझाव व आपत्तियां**बहजोई/सम्भल(सब का सपना):-** उत्तर प्रदेश राज्य स्थानीय ग्रामीण निकाय समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग, लखनऊ के अध्यक्ष एवं सदस्यगण मंगलवार को जनपद सम्भल के भ्रमण पर रहेंगे। इस दौरान आयोग की ओर से कलेक्ट्रेट सभागार, बहजोई में अपराह्न 3:30 बजे से सायं 5:30 बजे तक जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। जनसुनवाई में आयोग आमजन से स्थानीय ग्रामीण निकायों से संबंधित विषयों पर सुझाव एवं आपत्तियां प्राप्त करेगा। जिला प्रशासन ने जनपद के सभी नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर अपनी बात रखने और सुझाव प्रस्तुत करने की अपील की है। कार्यक्रम में आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति राम औतार सिंह के साथ सदस्य बृजेश कुमार (सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश), संतोष कुमार विश्वकर्मा (सेवानिवृत्त अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश), डॉ. अरविंद कुमार चौरसिया (सेवानिवृत्त आर्डीएस) तथा एस.पी. सिंह (सेवानिवृत्त आर्डीएस) भी मौजूद रहेंगे। आयोग जनसुनवाई के दौरान प्राप्त सुझावों एवं आपत्तियों पर विचार करेगा।

भारतीय चिंतन को आधुनिक प्रबंधन सिद्धांतों के साथ

जोड़कर अध्ययन व शोध करना आवश्यक: प्रो. हिमांशु शेखर

एजेंसी अयोध्या. डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोध पीठ में व्यवसाय प्रबंध एवं उद्यमिता विभाग एवं श्रीराम शोध पीठ के अंतर्गत संचालित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के सम्पान अवसर पर विद्वानों एवं शोधार्थियों के द्वारा शोध पत्र प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी के दौरान वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं

आधुनिक प्रबंधन के मध्य समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। कार्यक्रम के सम्पान अवसर पर प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने सभी मुख्य अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी एवं वैश्विक व्यावसायिक परिवेश में केवल तकनीकी ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि नैतिकता, मानवीय मूल्य, पारदर्शिता तथा उत्तरदायित्व भी सफल प्रबंधन की



आधारशिला हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में वर्णित नेतृत्व, निर्णय क्षमता, अनुशासन एवं लोककल्याण की अवधारणाएँ आज भी प्रबंधन शिक्षा के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से भारतीय चिंतन को आधुनिक प्रबंधन सिद्धांतों के साथ जोड़कर अध्ययन एवं शोध करने का आह्वान किया तथा ऐसे शैक्षणिक आयोजनों को ज्ञान-विनियम का प्रभावी मंच बताया। मुख्य वक्ता प्रबंधन विभाग, लखनऊ

विश्वविद्यालय की प्रो. रितु नारां ने प्रबंधकीय नैतिकता विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी संगठन की दीर्घकालिक सफलता केवल लाभ अर्जित करने पर निर्भर नहीं करती, बल्कि उसके नैतिक मूल्यों, ईमानदारी, पारदर्शिता, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा उत्तरदायी नेतृत्व पर आधारित होती है। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि नैतिक निर्णय कर्मचारियों, ग्राहकों, निवेशकों एवं समाज के बीच विश्वास

बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारी हुई और मजबूत -सदर तहसील के मड़ना उपरहार में 5.82 करोड़ से बना मल्टीपरपज शेल्टर तैयार

एजेंसी अयोध्या. जिले में बाढ़ आपदा से निपटने की तैयारी अब और मजबूत हो गई है। सदर तहसील के मड़ना उपरहार क्षेत्र में 5.82 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित अत्याधुनिक मल्टीपरपज बाढ़ शरणालय भवन पूर्ण रूप से तैयार हो गया है। यह भवन आपदा के समय 300 लोगों को सुरक्षित आश्रय प्रदान कर सकेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शी आपदा प्रबंधन नीति के तहत यह आधुनिक सुविधाओं से युक्त शेल्टर तैयार किया गया है, जो बाढ़ प्रभावितों को न केवल सुरक्षित छत बल्कि हर जरूरी सुविधा भी उपलब्ध कराएगा। राजस्व विभाग की महत्वपूर्ण परियोजना के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग खंड-दो द्वारा इस भवन का निर्माण कार्य पूरा किया गया। पिछले वर्ष 14 जून को शुरू हुए इस निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा में पूरा कर लिया गया। भवन 2400 वर्गमीटर भूमि पर बनाया गया है। इसमें बाढ़ जैसी आपदा की स्थिति में तत्काल राहत और बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग



से संचालित करने की पूरी व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार विगत वर्षों से आपदा प्रबंधन को लेकर गंभीर प्रयास कर रही है। अयोध्या में तैयार यह मल्टीपरपज शेल्टर उसी नीति का एक ठोस उदाहरण है। पहले बाढ़ आने पर लोग स्कूलों, मंदिरों या खुले मैदानों में शरण लेते की मजबूर होते थे, लेकिन अब इस आधुनिक शरणालय भवन के कारण बाढ़ प्रभावितों को सुरक्षित और सम्मानजनक आश्रय मिल सकेगा। जिला आपदा विशेषज्ञ

अधिकारी यथार्थ तिवारी ने बताया कि इस शेल्टर के माध्यम से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लोगों को तुरंत सहायता पहुंचाई जा सकेगी। भवन के अंदर सोलर पैनल और जेनरेटर की सुविधा सुनिश्चित की गई है, जिससे बिजली व्यवस्था बिना किसी बाधा के चालू रहे। भवन में रहने वाले लोगों के लिए शौचालय, स्नानघर, रसोई, पानी की व्यवस्था, प्रकाश और वेंटिलेशन जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ-साथ चिकित्सा कक्ष और स्टोर रूम भी बनाए गए हैं। आपदा के समय

महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। जिला आपदा विशेषज्ञ अधिकारी यथार्थ तिवारी ने बताया कि इस भवन का उपयोग केवल बाढ़ के समय ही नहीं, बल्कि अन्य आपदाओं जैसे आग, भूकंप या सामूहिक राहत कार्यों के दौरान भी किया जा सकेगा। भवन को मल्टीपरपज बनाने का उद्देश्य यह है कि निवेश का सदुपयोग हो और सामान्य समय में भी इसे सामुदायिक गतिविधियों के लिए उपयोग किया जा सके। निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री का प्रयोग किया गया है। भवन को बाढ़ के उच्चतम स्तर को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है, ताकि पानी का प्रवेश न हो सके। चारों ओर मजबूत दीवारें, ऊंचा प्लिंथ और जल निकासी की उतम व्यवस्था की गई है। इस शेल्टर के तैयार होने से अयोध्या की राहत और बचाव व्यवस्था को नया बल मिला है। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमों अब बेहतर ढंग से समन्वय कर सकेगी।

जगद्गुरु शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने अयोध्या हनुमानगढ़ी में किया दर्शन -राम मंदिर की व्यवस्था पर उठाए सवाल, संतों को सौंपी जाए मंदिर की व्यवस्था

अविमुक्तेश्वरानंद ने अयोध्या हनुमानगढ़ी में किया दर्शन -राम मंदिर की व्यवस्था पर उठाए सवाल, संतों को सौंपी जाए मंदिर की व्यवस्था

एजेंसी अयोध्या. जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने शनिवार को अयोध्या हनुमानगढ़ी में हनुमंतलला का दर्शन किया। इसके पूर्व अयोध्या धाम वस अड्डा स्थित सागर पैलेस में 81 दिवसीय गविष्ठि (गो-रक्षार्थ-धर्मयुद्ध) यात्रा के दौरान आयोजित प्रेसवार्ता में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने राम मंदिर की वर्तमान व्यवस्था, श्रीराम जनमभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और प्रदेश की गौशालाओं की स्थिति को लेकर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अयोध्या की मौजूदा परिस्थितियां संत समाज के लिए चिंता का विषय हैं और मंदिर की व्यवस्था संत-महंतों की देखरेख में होनी चाहिए। शंकराचार्य ने दावा किया कि राम जन्मभूमि विवाद में सुकदमा रामलला विराजमान के नाम से लड़ा गया था, लेकिन अब मूल प्रतिमा को हटाकर दूसरी प्रतिमा स्थापित कर दी गई है। उन्होंने इसे रामलला विराजमान का घोर अपमान बताया हुए कहा कि जिन रामलला के लिए वर्षों तक संघर्ष हुआ, उन्हें उचित स्थान नहीं मिला। उन्होंने अस्थायी मंदिर में स्थापित व्यक्ति पर भी सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि वह कृत्रिम व्यवस्था कर श्रद्धालुओं की भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।अभी राम मंदिर नहीं, कायांलय जिसा माहौल शंकराचार्य ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण अभी पूर्ण नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान व्यवस्था में मंदिर संतों के बजाय



अन्य संस्थाओं के प्रभाव में संचालित हो रहा है। उनका कहना था कि जब मंदिर की व्यवस्था संतों के हाथों में होगी और शास्त्रसम्मत पूजा-पद्धति लागू होगी, तभी वह स्वयं रामलला के दर्शन करने जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि आम संतों को गर्भगृह में प्रवेश नहीं मिलता, जबकि कुछ विशिष्ट लोगों को विशेष अनुमति दी जाती है। प्रेसवार्ता में शंकराचार्य भी गोविंद देवगिरि पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि उन्हें शंकराचार्य का अपमान करने का अधिकार नहीं है और इस संबंध में नोटिस भेजा जाएगा। उन्होंने अयोध्या समेत पूरे उत्तर प्रदेश की गौशालाओं की स्थिति को भी चिंताजनक बताया। उनका आरोप था कि कई गौशालाओं में पत्रकारों के प्रवेश पर रोक है और पारदर्शिता का अभाव है। उन्होंने कहा कि गो-रक्षा और गौशालाओं की वास्तविक स्थिति को लेकर ही उनकी गविष्ठि यात्रा निकाली जा रही है।

औरैया : तेज बुखार के बाद युवक की मौत, पोस्टमार्टम से होगा कारण स्पष्ट

एजेंसी औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र के अटसू कस्बे में शनिवार को तेज बुखार से पीड़ित 28 वर्षीय युवक की तबीयत बिगड़ गई। गंभीर हालत में परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी) अजीतमल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अटसू निवासी आकाश राजपूत (28) पुत्र सोनेलाल हलवाई का कार्य कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। परिजनों के अनुसार वह पिछले कुछ दिनों से विचित्र बुखार से पीड़ित थे। शनिवार सुबह अचानक उनकी हालत बिगड़ गई। तेज बुखार के साथ लगातार उल्टियां होने लगीं, जिसके बाद परिजन उन्हें निजी वाहन से सीएचसी अजीतमल लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही कोतवाली अजीतमल पुलिस अस्पताल पहुंची और आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अजीतमल कोतवाली प्रभारी रमेश सिंह ने बताया कि शव की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। बता दें कि मृतक आकाश परिवार के इकलौता कमाने वाला सदस्य था। वह अपने पीछे पिता सोनेलाल, माता रामकेतकी, पत्नी पूनम और मासूम पुत्री प्रियांशी को छोड़ गए हैं। उनकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने बताया कि करीब 20 वर्ष पहले आकाश के पिता सोनेलाल अपनी पुत्री आरती देवी के पास अटसू आकर बस गए थे। तभी से पूरा परिवार यहीं रह रहा था। आकाश मेहनत-मजदूरी के साथ हलवाई का काम कर परिवार की आजीविका चलाते थे।

राम का व्यापार कर सत्ता में बने रहना चाहती है भाजपा: सत्यनारायण पटेल

एजेंसी अयोध्या। कांग्रेस पार्टी भगवान राम को दिल से मानती है वहीं दूसरी तरफ बीजेपी भगवान राम को दिमाग से मानती है, कांग्रेस भगवान राम में आस्था रखती है और भारतीय जनता पार्टी राम का व्यापार कर सत्ता में बनी रहना चाहती है परंतु देश की जनता अब बीजेपी के चाल और चरित्र को समझ चुकी है और भारतीय जनता पार्टी को सत्ता से बेदखल कर कांग्रेस का राज्य लाना चाहती है। उक्त बातें कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वचल जोन प्रभारी सत्यनारायण पटेल ने कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कही। श्री पटेल ने कांग्रेस कहा कि बूथ स्तर पर कांग्रेस संगठन को मजबूत करके वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में विजय प्राप्त की जा सकती है। इसके लिए सभी जिम्मेदार पदाधिकारी पूरी ईमानदारी और मेहनत से संगठन सुजन अभियान को फल बनाने में जुट जाएं। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने की तथा संचालन पूर्व जिला अध्यक्ष रामदास वर्मा ने किया। राष्ट्रीय सचिव

सत्यनारायण पटेल ने कहा कि आम आदमी भाजपा की धार्मिक राजनीति से अब ऊब चुका है। बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, महिलाओं पर अत्याचार, भ्रष्टाचार तथा लगातार प्रतियोगी परीक्षाओं के पेपर लीक होने से जनता का विश्वास भाजपा सरकार से उठता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की कथनी और करनी में बड़ा अंतर है। प्रधानमंत्री आम जनता को त्याग का संदेश देते हैं, जबकि स्वयं हजारों करोड़ रुपये के वायुयान से विदेश यात्राएं करते हैं। उन्होंने कहा कि शीर्ष नेतृत्व संगठन सुजन अभियान को लेकर बेहद गंभीर है अगली बार की बैठक जनपद के किसी ब्लॉक में आयोजित होगी , श्री पटेल ने कहा

होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी मजबूती से चुनाव लड़ेगी अगर किसी कारण समझौता करना पड़ा तो आधे से कम पर कांग्रेस पार्टी समझौता नहीं करेगी। जिला अध्यक्ष चेतनारायण सिंह ने कहा कि संगठन की मजबूती ही कांग्रेस की सबसे पहचानक पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष राजेंद्र प्रताप सिंह ने कहा संगठन सुजन अभियान के तहत बनाए गए ब्लॉक और मंडल की बैठकें नियमित रूप से हो जिससे संगठन में जुड़ने वाले लोगों से संवाद बना रहे।

बीएचयू ने अनुसंधान में नई उपलब्धि हासिल की, उद्योगों को दिया दो प्रौद्योगिकियों का लाइसेंस

एजेंसी वाराणसी उत्तर प्रदेश के वाराणसी स्थित काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) ने अपने अनुसंधान को समाजोपयोगी बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विश्वविद्यालय ने अपनी विकसित दो प्रौद्योगिकियों के लाइसेंस हस्तांतरण के लिए दो प्रमुख उद्योग संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। मुम्बई स्थित एमआरसी एगोटैक लिमिटेड के साथ गैहूँ की उन्नत किस्म और बेंगलुरु की इंडियन हेल्थ सिस्टम्स (आईएचएस) के साथ आयुर्वेद आधारित स्वास्थ्य आकलन टूल के लाइसेंस हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी

हुई है। कुलपति प्रो. अंजित कुमार चतुर्वेदी के मौजूदगी में कुलसचिव राजन श्रीवास्तव ने दोनों कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। इसके अतिरिक्त कृषि विज्ञान संस्थान एवं आयुर्वेद

संकाय के वैज्ञानिक एवं अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे। इन सहयोगात्मक प्रयासों का समन्वय विश्वविद्यालय के बौद्धिक संपदा अधिकार एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रकोष्ठ द्वारा किया गया है। यह

औद्योगिक संस्थानों से रचनात्मक सुझावों का आग्रह किया ताकि अनुसंधान के परिणाम और अधिक प्रभावी और उपयोगी हो सकें। प्रो. चतुर्वेदी ने बताया कि बीएचयू में संचालित बायोनेस्ट और साथी जैसी पहलें नवाचार, प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण और उद्योग-अकादमिक सहयोग की निरंतर प्रोत्साहित कर रही हैं। उन्होंने बताया कि कृषि विज्ञान संस्थान के आनुवंशिकी एवं पापय प्रजनन विभाग द्वारा विकसित गैहूँ की उन्नत किस्म, एचयूएस 838 (मालवीय 838), ने विभिन्न लोकप्रिय प्रचलित किस्मों की तुलना में अधिक उत्पादन क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता प्रदर्शित की है। यह

किस्म कृत्रिम परिस्थितियों में गैहूँ के ब्ल्यास्ट रोग, रतुआ रोग जैसे तीनों प्रमुख रोगों के प्रति पूर्णतः प्रतिरोधी है। इसके अतिरिक्त, यह करनाल बंट और पाउडरी मिल्ड्यू के प्रति भी प्रतिरोधी है। सूखे क्षेत्रों में भी यह अधिक उत्पादन देने में सक्षम है, जबकि इसकी उच्च प्रोटीन मात्रा (11.8 फीसद) और उत्कृष्ट कपाती बनाने की गुणवत्ता इसे विशेष बनाती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे किसानों के लिए समर्पित कर दिया है। इस किस्म का विकास प्रो. वी.के. मिश्रा, डॉ. हेमंत कुमार जायसवाल, डॉ. संदीप शर्मा, स्वर्गीय डॉ. रमेश कुमार सिंह समेत कई वैज्ञानिकों ने किया है।



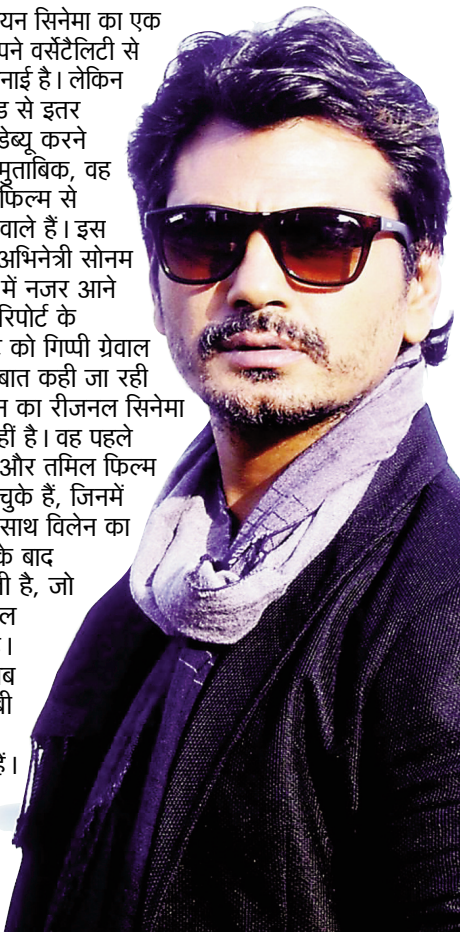
फिल्म 'रूपा' से कमबैक करेंगे गोविंदा, शेयर किया लकी नंबर का दिलचस्प किस्सा

1990 के दशक में अपनी शानदार कॉमिक टाइमिंग, दमदार डांस और अभिनय के लिए पहचाने जाने वाले एक्टर गोविंदा लंबे समय से फिल्मों से दूर थे। वह अब फिल्म 'रूपा' के जरिए वापसी करने के लिए तैयार हैं। अभिनेता ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शायद उनकी किस्मत में यही लिखा था कि फिल्म इंडस्ट्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया, ताकि वह पहले से ज्यादा मजबूती के साथ वापसी कर सकें। उन्होंने कहा कि शायद मेरी किस्मत में कई बार लोगों द्वारा नकारा जाना ही लिखा था। लोगों ने कहा कि अब यह फिल्मों में नजर नहीं आएगा, लेकिन मैं हर बार फिर से शुरुआत करता हूँ। मैं भगवान से प्रार्थना करता हूँ कि जो मैंने सोचा है और जिसकी लोग कल्पना भी नहीं कर सकते, वह इस फिल्म के जरिए सच हो जाए। यह फिल्म खास तौर पर युवाओं के लिए है। जब वे इसे सिनेमाघरों में देखेंगे, तो उनके सपनों को नई उड़ान मिलेगी। यह सब संभव है। मैं इस पर आध्यात्मिक बातें नहीं करना चाहता। एक्टर गोविंदा ने यह भी बताया कि वह अंक ज्योतिष (न्यूमरोलॉजी) में बहुत यकीन रखते हैं। 14 नंबर मेरा लकी नंबर है। मेरा नाम भी अंक ज्योतिष के हिसाब से ही रखा गया है। मैंने बहुत कम उम्र में ही इसमें यकीन करना शुरू कर दिया था। मैं 14 साल का था। मुझ पर भगवान की कृपा थी। मैंने एक हफ्ते में 14 फिल्मों साइन की थीं। फिर मैंने 14 साल तक सुपर-स्टारडम देखा। फिर मैं 14वीं लोकसभा में सांसद बना। मैंने 14 साल तक संघर्ष किया और फिर मैं फिल्मों में वापस आया। यह पहली बार है जब मैं 5 साल से ज्यादा इंतजार नहीं कर सका। मैं फिर से शुरुआत करूंगा और अब मुझे उम्मीद है कि सफर यहीं से शुरू हुआ है। गोविंदा ने कहा कि जब मैं गांव में कहता था कि मैं हीरो बनूंगा, तो लोग मुझ पर हंसते थे। वे कहते थे, 'तुम न तो सिगरेट पीते हो, न शराब पीते हो, न नॉन-वेज खाते हो, न लहसुन-प्याज खाते हो। तुम हीरो कैसे बन सकते हो। गोविंदा ने कहा कि लोग कहते थे कि अगर तुम डर के मारे भागोगे, तो साधु बन जाओगे लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मैंने वही किया जो मेरी मां ने सोचा था। अब मुझे लगता है कि यह फिल्म बच्चों के लिए बहुत जरूरी है। ऐसी फिल्में बननी चाहिए। और बच्चों को आगे बढ़ना चाहिए।



हिंदी-साउथ के बाद अब पंजाबी सिनेमा में डेब्यू करेंगे नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नवाजुद्दीन सिद्दीकी इंडियन सिनेमा का एक बड़ा नाम हैं। उन्होंने अपने वर्सेटिलिटी से अपनी अलग पहचान बनाई है। लेकिन अब नवाजुद्दीन बॉलीवुड से इतर पंजाबी इंडस्ट्री में भी डेब्यू करने जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक, वह पंजाबी भाषा की एक फिल्म से इंडस्ट्री में डेब्यू करने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ अभिनेत्री सोनम बाजवा के प्रमुख रूप में नजर आने की संभावना है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट को गिप्पी ग्रेवाल का सपोर्ट मिलने की बात कही जा रही है। हालांकि, नवाजुद्दीन का रीजनल सिनेमा में यह पहला कदम नहीं है। वह पहले तेलुगु फिल्म 'सैधव' और तमिल फिल्म 'पेन्ना' का हिस्सा रह चुके हैं, जिनमें उन्होंने रजनीकांत के साथ विलेन का रोल निभाया था। इसके बाद 'तुम्हाड 2' आने वाली है, जो 2018 की ओरिजिनल फिल्म का सीक्वल है। रिपोर्ट की माने तो अब नवाजुद्दीन जल्द ही पंजाबी सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। हालांकि, अभी तक इसकी लेकर ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है।



हॉलीवुड फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' में नजर आएंगी दिशा पाटनी

प्रियंका चोपड़ा, दीपिका पादुकोण और तब्बू जैसी अदाकाराओं के बाद अब दिशा पाटनी ने भी हॉलीवुड में कदम बढ़ा दिए हैं। वे ऑस्कर विजेता निर्देशक केविन स्पेसी की सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा- द पोर्टल ऑफ फोर्स' में नजर आएंगी। इस फिल्म के जरिए वे इंटरनेशनल स्तर पर अपनी पहचान बनाने को तैयार हैं। हाल ही में दिशा ने स्पेसी के साथ शूटिंग के अनुभव साझा किए। फिल्म 'हॉलीगार्ड्स सागा' में दिशा के साथ डॉल्फ लुंडग्रेन, टायरेस गिब्सन, ब्रायना हिल्डेब्रांड और एरिक रॉबर्ट्स जैसे बड़े ग्लोबल स्टार्स अहम भूमिकाओं में हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में दिशा ने हॉलीवुड में सफल होने के लिए जरूरी चीजों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एक्टर सिर्फ भारत में बैठकर इंटरनेशनल ऑडियंस, टैलेंट रिप्रेजेंटेशन और वीजा से जुड़ी मुश्किल प्रक्रियाओं को समझें बिना ग्लोबल रोल पाने की उम्मीद नहीं कर सकते।

केविन स्पेसी की तारीफ में कहा?

दिशा पाटनी ने वैरायटी इंडिया से बात करते हुए कहा, 'वे (केविन स्पेसी) कमाल के हैं। एक एक्टर होने के नाते, वे अपने एक्टरों को समझते हैं। एक्सपेरिमेंट करने के लिए काफी आजादी देते हैं। वे हमसे कहते थे कि हम अपने अनुभवों का इस्तेमाल करें। वह हमें ऐसे सवाल सोचने के लिए प्रोत्साहित करते थे, जैसे- 'आप ऐसी स्थिति

में कैसा रिएक्ट करेंगे?' 'क्या आप रोएंगे?' 'आप कैसा महसूस करेंगे?' 'आप अपनी भावनाएं कैसे जाहिर करेंगे?' हर सुबह, वे हमारे साथ बैठते थे और हमें सीन समझाते थे। मुझे यह बात बहुत खास लगी। मुझे नहीं लगता कि मैंने पहले किसी क्रिएटर के साथ ऐसा किया है।

अपने हॉलीवुड सफर पर बोलीं

एक्टरों ने हॉलीवुड डेब्यू और ऑडिशन को लेकर कहा, 'पश्चिम में ऑडिशन टेम्पलेट पर बहुत जोर दिया जाता है। आपको चीजों के लिए ऑडिशन देना होता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपके लिए वह कितना आसान है और आपने किसके साथ साइन किया है। किस्मत भी इसमें भूमिका निभाती है। कभी-कभी, वे बस आपका काम देखते हैं और आपको प्रोजेक्ट और ऑडिशन ऑफर करते हैं। यह वीजा और दूसरी लॉजिस्टिक चीजों पर भी निर्भर करता है। यह सब बहुत टेक्निकल है। आखिरकार, यह एक अलग देश है। लेकिन आपको वहां मौजूद रहना होगा। आप यहां भारत में बैठकर वहां रोल नहीं पा सकते। आप यहां से ऑडिशन दे सकते हैं, लेकिन सबसे अच्छा यही है कि आप वहां जाएं, कुछ समय के लिए रहें और उस पर काम करें। किसी भी देश के साथ ऐसा ही होता है।'



ऋतिक रोशन ने पूरी की 'जेलर 2' में कैमियो की शूटिंग

रजनीकांत इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'जेलर 2' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म की अभी शूटिंग हो रही है। बताया जाता है कि बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन इस फिल्म में कैमियो करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऋतिक रोशन ने फिल्म में अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्स पर ऑम नाम के एक वैरिफाइड यूजर ने एक तस्वीर शेयर की है। इसमें रजनीकांत और ऋतिक रोशन एक साथ नजर आ रहे हैं। नेल्सन दिलीप कुमार ने

'जेलर 2' में ऋतिक रोशन के लिए शानदार किरदार तैयार किया है। उनका एक दमदार सीक्वेंस है। इसके बाद रजनीकांत के साथ एक सीन है। यह एक दमदार कैमियो है, जिसे दर्शकों से तारीफ बटोरने के लिए डिजाइन किया गया है। उनका कैमियो फिल्म के एक अहम मोड़ पर आता है और कहानी को आगे बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाता है। 'जेलर 2', रजनीकांत की ब्लॉकबस्टर एक्शन एंटरटेनर फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है।

निक को ज्यादा पता हैं बॉलीवुड के राज



और अमेरिकी सिंगर निक जोनस को बॉलीवुड की गपशप में काफी दिलचस्पी है। जोनस ब्रदर्स के एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान प्रियंका ने बताया कि निक उनके लिए बॉलीवुड की खबरों का सबसे भरोसेमंद जरिया बन चुके हैं। प्रियंका के मुताबिक, बॉलीवुड में किसका क्या चल रहा है, इसकी जानकारी निक को उनसे भी ज्यादा रहती है। प्रियंका ने सुनाया एक दिलचस्प किस्सा इस दौरान प्रियंका ने एक मजेदार किस्सा सुनाते हुए बताया, 'कभी-कभी जब मैं किसी सेलिब्रिटी को मैसेज करके कहती हूँ कि 'अपने पार्टनर को मेरा प्यार देना', तो निक मुझे टोकते हैं और कहते हैं कि 'नहीं, उन दोनों का तो ब्रेकअप हो चुका है।' तब मुझे सच पता चलता

है। जब निक के भाई केविन ने उनसे पूछा कि उन्हें ये सब कैसे पता चलता है, तो निक ने हंसते हुए कहा कि वह चुपके से सोशल मीडिया पर कुछ बॉलीवुड गॉसिप पेजों को फॉलो करते हैं, लेकिन वह उन पेजों का नाम नहीं बताएंगे। निक का मानना है कि बॉलीवुड सेलिब्रिटीज की कहानियां लगातार बदलती रहती हैं, इसलिए उन्हें पढ़ना काफी दिलचस्प लगता है।

प्रियंका और निक की जोड़ी

प्रियंका और निक की लव स्टोरी साल 2016 में सोशल मीडिया पर एक मैसेज से शुरू हुई थी। इसके बाद 2017 में दोनों पहली बार 'मेट गाला' इवेंट में एक साथ नजर आए। 2018 में दोनों ने डेटिंग शुरू की और इसी साल हिंदू और ईसाई रीति-रिवाजों से बेहद धूमधाम से शादी कर ली। 2022 जनवरी में उनके घर एक प्यारी बेटी का जन्म हुआ, जिसका नाम उन्होंने मालती मेरी चोपड़ा जोनस रखा है।



एक कलाकार को रियल में अपने किरदार जैसा बनने की जरूरत नहीं

बॉलीवुड के अनुभवी एक्टर अन्नू कपूर का कहना है कि किसी कलाकार को निजी सोच और उसके निभाए गए किरदार को कभी एक जैसा नहीं समझना चाहिए। उनकी आने वाली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 'उत्तर दा पुतर' में वह एक ऐसे फिजिक्स प्रोफेसर का रोल निभा रहे हैं, जिसे वास्तु शास्त्र पर पूरा भरोसा होता है। दिलचस्प बात यह है कि असल जिंदगी में उनकी सोच इस किरदार से बिल्कुल अलग है। अन्नू कपूर कहते हैं, 'मैं खुद नास्तिक हूँ, लेकिन इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि मैं किसी धर्म या किसी की आस्था का सम्मान नहीं करता। जब निर्माता संदीप कपूर ने मुझे इस किरदार के बारे में बताया तो मैंने बिना देर किए हां कह दी। एक एक्टर होने के नाते मुझे ऐसे रोल करना सबसे ज्यादा पसंद है, जो मेरी असली जिंदगी से बिल्कुल अलग हों।'

पर्सनल दिलचस्पी को उनकी एक्टिंग से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने हस्तरेखा और ज्योतिष जैसी चीजों पर कई किताबें पढ़ी हैं, लेकिन सिर्फ अपनी जिज्ञासा और जानकारी बढ़ाने के लिए। उनका मानना है कि उनकी पर्सनल दिलचस्पी को उनकी एक्टिंग से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए।

मैंने कभी किसी धर्म या किसी की आस्था का मजाक नहीं उड़ाया

अन्नू कपूर का कहना है कि कई बार उनके बयानों को गलत तरीके से पेश किया जाता है, जिससे बेवजह विवाद खड़े हो जाते हैं। उन्होंने साफ कहा, 'मैंने कभी किसी धर्म या किसी की आस्था का मजाक नहीं उड़ाया। मेरा इरादा कभी किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं रहा। हर इंसान को अपनी सोच और विश्वास रखने का पूरा अधिकार है और मैं उसका सम्मान करता हूँ।' एक्टर के मुताबिक, असली जिंदगी और पर्दे पर निभाए गए किरदार के बीच फर्क होना ही एक्टिंग की सबसे बड़ी खूबसूरती है। उन्होंने कहा, 'एक

कलाकार को असल जिंदगी में अपने किरदार जैसा बनने की जरूरत नहीं होती। उसकी जिम्मेदारी सिर्फ इतनी होती है कि वह अपनी एक्टिंग से दर्शकों को उस किरदार पर भरोसा दिला सके।' अपनी फिल्म 'उत्तर दा पुतर' के बारे में बात करते हुए अन्नू कपूर ने कहा कि यह फिल्म दर्शकों को खूब

हंसाएगी और साथ ही एक अच्छा संदेश भी देगी। उन्होंने लोगों से फिल्म का ट्रेलर आखिर तक देखने की अपील की। उनके मुताबिक, जब फिल्म में उनकी पत्नी उनसे कहती है, 'इस वास्तु के चक्कर में तुम डरपोक हो गए हो,' तो यही एक संवाद पूरी कहानी का सार बता देता है।

रविंदर सिवाच के निर्देशन में बनी 'उत्तर दा पुतर'

रविंदर सिवाच के निर्देशन में बनी 'उत्तर दा पुतर' में अन्नू कपूर के साथ रुखसार रहमान, बृजेंद्र काला, पवन मल्होत्रा, इशिताक खान, जीवेशु अहलूवालिया, राजेंद्र सेठी, सुमित गुलाटी और नितिन अरोड़ा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

